

## जयपुर में पेट्रोल 5 और डीजल 3 रुपए महंगा

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में हुए इजाफे के बाद बढ़े प्रति लीटर दाम



जयपुर। राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई है। जयपुर में निजी तेल कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल के दाम में इजाफा किया है। कंपनी ने पेट्रोल की कीमत में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है।

इसके बाद नायरा के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल की कीमत 112.97 रुपए से बढ़कर 117.97 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं, डीजल के दाम 97.78 रुपए से बढ़कर 100.78 रुपए प्रति लीटर पहुंच गए हैं। कीमतों में इस बढ़ोतरी का सीधा असर निजी वाहन चालकों, दोपहिया वाहन उपयोगकर्ताओं और डीजल से चलने वाले वाहनों के परिचालन खर्च पर पड़ेगा।

### देशभर में नायरा कंपनी के 7,100 से ज्यादा पेट्रोल पंप

दरअसल, कंपनी की ओर से कीमतों में बढ़ोतरी का कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और रिफाइनड पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में इजाफा होना बताया जा रहा है। वैश्विक बाजार में लागत बढ़ने से निजी ईंधन कंपनियों के मार्जिन पर दबाव पड़ रहा है। ऐसे में नायरा एनर्जी ने बढ़ी हुई लागत के अनुरूप पेट्रोल-डीजल के दाम में संशोधन किया है। देशभर में कंपनी के 7,100 से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं, जहां 3 अक्टूबर से नई कीमतें लागू की गई हैं। नायरा एनर्जी की ओर से कीमतें बढ़ाए जाने के बाद अब सरकारी तेल कंपनियों के पेट्रोल-डीजल के दामों को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, सरकारी तेल कंपनियों की ओर से कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर फिलहाल कोई घोषणा नहीं हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों और ईंधन की लागत में होने वाले बदलावों के बीच आगे के फैसलों पर नजर रहेगी। सरकारी तेल कंपनियों ने इससे पहले बढ़ती अंतरराष्ट्रीय लागत के बावजूद खुदरा कीमतों को काफी हद तक स्थिर रखा है। बता दें कि नायरा के पेट्रोल पंपों पर कीमतें बढ़ने से अब वाहन चालकों को पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए पहले की तुलना में अधिक भुगतान करना होगा। खासकर रोजाना लंबी दूरी तय करने वाले लोगों और व्यावसायिक वाहनों के परिचालन खर्च पर इसका असर पड़ सकता है।

## राहुल गांधी ने 'सत्याग्रह' पहल शुरू की

कहा- लोग अपनी समस्याएं भेजें, महात्मा गांधी ने भी यही तरीका अपनाया था, आज भी 8,500+ लेटर रिकॉर्ड में

नई दिल्ली।

राहुल गांधी ने देशभर में अन्याय और अपने हक के लिए लड़ रहे लोगों की आवाज को एक साथ जोड़ने के लिए सत्याग्रह नाम से एक पहल शुरू की है।

राहुल ने कहा कि जो भी लोग अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं, वे अपनी कहानी भेजें। मैं नेता विपक्ष के रूप में संसद से लेकर सड़क तक आपके साथ खड़ा हूँ। राहुल की इस पहल का नाम महात्मा गांधी के 'सत्याग्रह' से जुड़ा है। आजादी की लड़ाई के दौरान गांधीजी ने भी यही तरीका अपनाया था। गांधी हेरिटेज पोर्टल के मुताबिक, उस समय लोगों ने गांधीजी को जमीन, संपत्ति, जेल और अन्याय से जुड़े मामलों की जानकारी भेजी थी। गांधीजी को भेजे गए 8,500 से ज्यादा लेटर आज भी मौजूद हैं। हालांकि, वास्तविक संख्या ज्यादा



हो सकती है।

**राहुल बोले- अकेले लड़ने वालों की आवाज दब जाती है-** राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- देशभर में लोग अपने हक के लिए लड़ रहे हैं और अक्सर अकेले लड़ रहे हैं। जैन-जी, छात्र, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं। हर संघर्ष की अपनी कहानी है। पर जो आवाज अकेली उठती है, वो अक्सर दब जाती है। सत्याग्रह इन्हीं आवाजों को एक साथ लाने की पहल है।

# भाजपा शहरी सरकार झटके के बाद गांव में इम्तिहान की ओर

## पंचायती राज चुनाव में भाजपा संगठन की साख दांव पर, घोषणा के साथ सियासी सरगर्मी तेज

संजय सोनी

**झुंझुनू ( नवयत्न )**। पंचायती राज चुनाव की घोषणा के साथ ही जिले की ग्रामीण राजनीति में हलचल तेज हो गई है। भाजपा और कांग्रेस के साथ राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी सहित अन्य राजनीतिक दल भी सक्रिय हो गए हैं। लेकिन इन चुनावों में सबसे ज्यादा नजर सत्ता में बैठी भाजपा के प्रदर्शन पर रहेगी। हालांकि शहरी निकाय चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के बाद भाजपा के सामने अब ग्रामीण क्षेत्र में अपनी राजनीतिक पकड़ और संगठन की ताकत साबित करने की चुनौती है। राज्य में सरकार होने के बावजूद स्थानीय स्तर पर लगातार सामने आ रहे राजनीतिक झटकों ने भाजपा संगठन के सामने कई सवाल खड़े किए हैं। शहरी निकाय चुनाव के परिणामों को लेकर पार्टी के भीतर भी मंथन की चर्चा रही, लेकिन पंचायत

चुनाव की घोषणा के साथ ही संगठन को तत्काल चुनावी मोड़ में आना पड़ा है। ऐसे में सवाल यह है कि पार्टी शहरी चुनाव से मिले संकेतों से कितना सबक लेकर गांवों में उतरती है। झुंझुनू जिले में हुए नगर निकाय चुनाव के बाद भाजपा के संगठनात्मक कामकाज, गुटबाजी, टिकट वितरण और स्थानीय नेतृत्व के बीच तालमेल को लेकर चर्चाएं तेज हुईं थी। राजनीतिक हलकों में इसे महज उम्मीदवारों की हार-जीत के बजाय संगठन की रणनीति से जोड़कर भी देखा गया। दबी जुबान में यह सवाल भी उठता रहा कि सत्ता और संगठन दोनों की ताकत होने के बावजूद भाजपा स्थानीय चुनाव में अपनी स्थिति मजबूत क्यों नहीं कर पाई। हालांकि भाजपा समर्थक इसे स्थानीय समीकरणों और उम्मीदवारों के व्यक्तिगत प्रभाव से जोड़ते हैं, लेकिन चुनाव परिणामों ने संगठन के सामने आत्ममंथन की जरूरत जरूर पैदा की है।

## जिलाध्यक्ष-विधायक की भूमिका पर निगाहें

अब पंचायत चुनाव में भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरी और विधायक राजेंद्र भाबू की भूमिका पर भी निगाहें रहेगी। जून 2025 में जिला संगठन की कमान संभालने के बाद लगभग सवा साल के कार्यकाल में यह चुनाव उनके नेतृत्व के लिए महत्वपूर्ण परीक्षा के रूप में सामने आया है।

भाजपा में पहली बार जाट समुदाय से जिलाध्यक्ष बनाए जाने को लेकर भी उस समय काफी चर्चा हुई थी। अब संगठन के सामने चुनौती यह है कि इस नेतृत्व को गांवों तक किस तरह मजबूत किया जाए और कार्यकर्ताओं को एकजुट कर चुनावी मैदान में उतारा जाए।

## गांव बताएंगे संगठन की वास्तविक ताकत

पंचायत चुनावों में समीकरण शहर से अलग होते हैं। यहां प्रत्याशी की व्यक्तिगत पकड़, सामाजिक समीकरण, स्थानीय रिश्ते, जातीय संतुलन और गांव स्तर की राजनीति की बड़ी भूमिका रहती है। इसलिए परिणाम का पूरा श्रेय या जिम्मेदारी केवल जिलाध्यक्ष अथवा विधायक के खाते में डालना भी उचित नहीं लेकिन सत्ता संगठन के बाद हार का जिम्मेदार कौन यही बड़ा सवाल उभर रहा है। फिर भी सत्ता में होने के बावजूद यदि भाजपा ग्रामीण क्षेत्रों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाती है तो संगठन की कार्यशैली और स्थानीय नेतृत्व की रणनीति पर सवाल और गहरे हो सकते हैं। अब कांग्रेस, आरएलपी और अन्य राजनीतिक दल भी गांवों में सक्रिय हो चुके हैं। ऐसे में पंचायती राज चुनाव भाजपा के लिए शहर के झटके के बाद गांव में अपनी साख बचाने और संगठन की वास्तविक पकड़ दिखाने का बड़ा इम्तिहान बन गया है।

# पंचायत चुनावों की घोषणा

## राजस्थान में 4 चरणों में होंगे पंचायत चुनाव 20 नवंबर को आरम्भ परिषद और पंचायत समिति सदस्य का रिजल्ट

जयपुर।

राजस्थान में शनिवार को पंचायत चुनावों की घोषणा की। इसके साथ ही प्रदेश में आचार संहिता लागू गई। राज्य निर्वाचन आयोग 4 चरणों में चुनाव संपन्न कराएगा। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के पहले चरण के तहत 23 अक्टूबर, दूसरे चरण में 29 अक्टूबर, तीसरे चरण में 4 नवंबर, चौथे चरण में 14 नवंबर को वोटिंग होगी। 20 नवंबर को परिणाम आएंगे। 37 जिलों में 25 नवंबर को जिला प्रमुख और 27 नवंबर को प्रधान का चुनाव होगा। 26 नवंबर को उपजिला प्रमुख और 28 नवंबर को उपप्रधान का चुनाव होगा। कोटा, श्रीगंगानगर, बारां और करौली जिलों में प्रमुख और प्रधानों का कार्यकाल दिसंबर

2026 में पूरा होगा। यहां जिला प्रमुख और प्रधान का चुनाव बाद में होगा। हालांकि जिला परिषद के मंत्री और पंचायत समिति मंत्री के चुनाव अन्य जिलों के साथ ही होंगे। इसी प्रकार सरपंचों के चुनाव भी 4 चरणों में होंगे। पहले चरण में 25 अक्टूबर, दूसरे चरण में 31 अक्टूबर, तीसरे चरण में 6 नवंबर और चौथे चरण में 16 नवंबर को वोटिंग होगी। तीसरे चरण में 3605 ग्राम पंचायतों में धरतेरस पर वोटिंग होगी। वोटिंग के दिन ही देर रात तक नतीजे घोषित होंगे। सरपंच और वार्ड पंचों के चुनाव बैलेट से होंगे। पंचायत समिति मंत्री और जिला परिषद मंत्री के चुनाव ईवीएम से होंगे। महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण है। पंचायतीयज चुनाव में 51.82% पुरुष और 48.18% महिला वोटर हैं।

### जयपुर में चार चरण में होंगे चुनाव

राजस्थान के 37 जिलों में 50 दिन तक चुनावी प्रक्रिया जारी रहेगी। 8 अक्टूबर से 28 नवंबर तक पंचायतीराज चुनाव के अलग-अलग चरण होंगे। जयपुर में सबसे ज्यादा चार चरण में चुनाव होंगे। जैसलमेर, फलेदी और सतलुबर में एक चरण में, झुंझुनू, करौली, सीकर, बांसवाड़ा, बीकानेर, जालौर और उदयपुर में तीन चरण और 30 जिलों में दो चरण में चुनाव होंगे।

### ग्रामीणी इलाकों में उद्घाटन,शिलान्यास नहीं होंगे

आयोग के चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा के साथ ही ग्रामीण इलाकों में आचार संहिता लागू हुई। तबदलों पर पाबंदी लागू हुई। मंत्री अब अपने इलाकों में सरकारी गाड़ी से नहीं जा सकेंगे और सरकारी गैरट हाउस व डाक बंगलों में नहीं ठहर सकेंगे। सरकार नई योजनाओं और कार्यक्रमों की घोषणा नहीं कर सकेगी। पहले से चल रहे काम जारी रह सकेंगे, जिन टेंडरों का काम पहले से प्रक्रिया में है, उन पर रोक नहीं होगी।

### प्रधान, प्रमुखों में जोड़तोड़ चलेगी लेकिन असली परीक्षण वार्डों की जीत से बनेगा

जिला परिषदों और पंचायत समितियों में कौन ज्यादा वार्ड जीतता है, उससे असली परीक्षण बनेगा। जिला परिषद मेंबर मिलकर जिला प्रमुख और पंचायत समिति मेंबर मिलकर प्रधान का चुनाव करते हैं। निकाय की तरह पंचायतीराज चुनावों में भी दबदबल विरोधी कानून लागू नहीं होता इसलिए प्रधान और जिला प्रमुख बनाने में खूब सियासी जोड़तोड़ चलता है।

## एशियाड में भारत को 21 गोल्ड, दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन



## 2023 में 28 जीते थे, इस बार कुल 85 मेडल, टैली में चौथा स्थान

नई दिल्ली।

भारत ने एशियन गेम्स में 21वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल मुकाबले में मलेशिया को 5-1 से हराया। शनिवार को भारत ने मेंस क्रिकेट, आर्चरी, गोल्फ और कुश्ती में भी 1-1 गोल्ड जीता। भारत अब 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल के साथ टैली में चौथे स्थान पर आ गया है। भारत

इस बार 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते। यह एशियाड में भारत का अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2023 में भारत ने 28 गोल्ड सहित 106 मेडल जीते थे।

### भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के डबल गोल

फाइनल मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने डबल गोल किए। उन्होंने 11वें और 57वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए। हरमनप्रीत के अलावा, जुगरात 23वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर, 42वें मिनट में हार्दिक ने पेनल्टी स्ट्रोक पर और 54वें मिनट में शिलानंद ने फील्ड गोल किया। मलेशिया की ओर से इकलौता गोल शेलो सिल्वरियस ने 14वें मिनट में दागा। उन्होंने फील्ड गोल किया।



## राजस्थान पंचायत चुनाव चार चरणों में मतदान

| पंचायत समिति सदस्य चुनाव |            |            |            |            |
|--------------------------|------------|------------|------------|------------|
| कार्यक्रम                | प्रथम चरण  | दूसरा चरण  | तीसरा चरण  | चौथा चरण   |
| अधिसूचना व नामांकन       | 8 अक्टूबर  | 13 अक्टूबर | 19 अक्टूबर | 31 अक्टूबर |
| नामांकन की अंतिम तारीख   | 13 अक्टूबर | 16 अक्टूबर | 23 अक्टूबर | 4 नवंबर    |
| नाम वापसी                | 15 अक्टूबर | 19 अक्टूबर | 26 अक्टूबर | 6 नवंबर    |
| मतदान                    | 23 अक्टूबर | 29 अक्टूबर | 4 नवंबर    | 14 नवंबर   |

| जिला परिषद सदस्य चुनाव |            |            |            |            |
|------------------------|------------|------------|------------|------------|
| कार्यक्रम              | प्रथम चरण  | दूसरा चरण  | तीसरा चरण  | चौथा चरण   |
| अधिसूचना व नामांकन     | 8 अक्टूबर  | 8 अक्टूबर  | 8 अक्टूबर  | 8 अक्टूबर  |
| नामांकन की अंतिम तारीख | 13 अक्टूबर | 13 अक्टूबर | 13 अक्टूबर | 13 अक्टूबर |
| नाम वापसी              | 15 अक्टूबर | 15 अक्टूबर | 15 अक्टूबर | 15 अक्टूबर |
| मतदान                  | 23 अक्टूबर | 29 अक्टूबर | 4 नवंबर    | 14 नवंबर   |

## दोनों चुनावों के परिणाम : 20 नवंबर

### 1.69 लाख नए पंचायतीराज जनप्रतिनिधि चुने जाएंगे

इन चुनावों में 1.69 लाख नए पंचायतीराज जनप्रतिनिधि चुने जाएंगे। 1403 जिला परिषद मेंबर और 8245 पंचायत समिति मेंबर के चुनाव होंगे। 14403 ग्राम पंचायतों में सरपंच-उपसरपंच और 1.30 लाख वार्ड पंचों के चुनाव बैलेट के जरिए होने हैं। पंचायत समिति मेंबर मिलकर 457 पंचायत समितियों में प्रधानों का चुनाव करेंगे।

## प्रदेश में महिलाओं के कल्याण के लिए चलाई अनेक योजनाएं : मुख्यमंत्री



जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं समाज के अभिन्न हिस्सा ही नहीं बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण का आधार हैं। महिलाओं का सम्मान और सशक्तीकरण किसी भी सभ्य समाज की पहचान है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में हमेशा से नारी शक्ति का सम्मान रहा है और यहां तो कहा भी गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं।

मुख्यमंत्री शनिवार को यूनिवर्सिटी कॉम्पस कॉलेज में आयोजित नारी शक्ति सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे यहां शक्ति, ज्ञान और समृद्धि की प्रतीक मां दुर्गा, मां सरस्वती और मां लक्ष्मी के रूप में नारी शक्ति

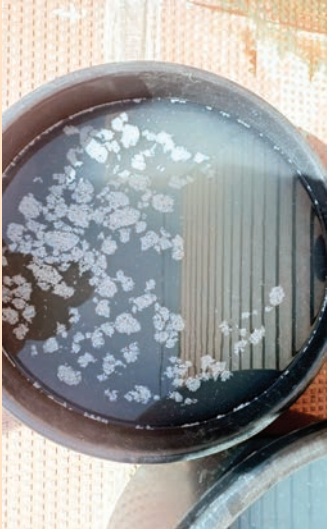
की पूजा की जाती है। भारत का इतिहास महिलाओं के साहस, वीरता, त्याग और बलिदान की अनगिनत गाथाओं से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति की सफलता की कहानियों में संघर्ष, साहस, आत्मविश्वास और संकल्प की वह शक्ति दिखाई देती है, जो किसी भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के कुशल प्रशासन, न्याय-परायणता एवं कल्याणकारी कार्यों का आज भी गुणगान किया जाता है। रानी लक्ष्मीबाई का साहस, मातृभूमि के लिए उनका बलिदान, आज भी हम सभी देशवासियों के हृदय में प्रेरणा का दीप जलाता है। वहीं, सावित्रीबाई फुले ने महिला शिक्षा की ज्योति जलाई, उसका प्रकाश आज देश के कोने-कोने को आलोकित कर रहा है।



## पेयजल आपूर्ति के दौरान गंदे और बदबूदार पानी नल में आने से वार्डवासी परेशान

निखं

**दांतारामगढ़ ( नवयत्न )**। नगरपालिका दांता के वार्ड नं 25 में शनिवार को पेयजल आपूर्ति के दौरान गंदा, झागनुमा और बदबूदार पानी आने से वार्डवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी सूत्रों के अनुसार लोगों का आरोप है कि पानी में नाली अथवा सीरेज के पानी के मिश्रित होने की आशंका है। दूषित पानी कई घरों के पानी के टैंकों में भी पहुंच गया। वार्डवासियों के अनुसार



नगरपालिका क्षेत्र में करीब 5-6 दिन के अंतराल से पेयजल आपूर्ति की जाती है। शनिवार को वार्ड नं 25 में निंबार्क आश्रम के पास तथा सामने वाली गली में पानी सप्लाई का दिन था। इस दौरान सप्लाई किया गया पानी बेहद गंदा, झागनुमा और दुर्गंधयुक्त था। पानी की स्थिति देखकर लोगों ने इसे पीने योग्य नहीं समझा।

**कर्मचारियों को फोन किया, नहीं पहुंचे मौके पर**

वार्डवासियों ने बताया कि समस्या की सूचना देने तथा मौके पर बुलाने के लिए पानी की सप्लाई से जुड़े कर्मचारियों से दूरभाष पर संपर्क किया गया, लेकिन कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। इसके बाद लोगों ने अपने स्तर पर पानी के टैंक खाली करवाए और बाजार से पैसे देकर निजी पानी का टैंकर मंगवाया। वार्डवासियों ने जलदाय विभाग से पेयजल पाइपलाइन की जाँच करवाने, दूषित पानी के स्रोत का पता लगाने तथा भविष्य में ऐसी समस्या की पुनरावृत्ति रोकने की बात की है। लोगों का कहना है कि पेयजल जैसी आवश्यक सुविधा में लापरवाही से आमजन के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है।

## एसआई दूरसंचार भर्ती की अगली प्रक्रिया शुरू : 12-13 अक्टूबर को होगा दस्तावेज सत्यापन

निखं

**जयपुर ( नवयत्न )**। राजस्थान लोक सेवा आयोग आरपीएससी की उप निरीक्षक दूरसंचार प्रतियोगी परीक्षा-2024 के साक्षात्कार में सफल अभ्यर्थियों की मेरिट सूची मिलने के बाद पुलिस विभाग ने भर्ती की अगली प्रक्रिया शुरू कर दी है। अस्थायी रूप से चयन के लिए प्रस्तावित अभ्यर्थियों की सूची राजस्थान पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। चयनित अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेजों का सत्यापन 12 और 13 अक्टूबर को पुलिस मुख्यालय में होगा। पुलिस उप महानिरीक्षक भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड मनोज कुमार ने बताया कि सूची में शामिल अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि पर स्वयं उपस्थित होकर दस्तावेज जमा कराने होंगे। दस्तावेज सत्यापन पुलिस मुख्यालय, नेहरू सहकार भवन के पास, जयपुर स्थित भू-तल के कमरा नंबर 820 में किया जाएगा। अभ्यर्थियों को मूल दस्तावेजों के साथ उनकी स्व-प्रमाणित प्रतियां और अटेस्टेशन फॉर्म की तीन प्रतियां पूर्ण रूप से भरकर लानी होंगी। सत्यापन के लिए आवश्यक दस्तावेज इस प्रकार हैं: शैक्षणिक दस्तावेज- 10वीं, 12वीं और स्नातक आदि की मूल अंकतालिकाएं व प्रमाण-पत्र। व्यक्तिगत एवं श्रेणी संबंधी दस्तावेज: मूल निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र और संतान संबंधी घोषणा-पत्र। विशेष श्रेणी के दस्तावेज: भूतपूर्व सैनिकों का डिस्चार्ज प्रमाण-पत्र, विधवा/परित्यक्ता प्रमाण-पत्र। सेवारत अभ्यर्थी: पूर्व से कार्यरत अभ्यर्थियों को विभागीय अनापत्ति प्रमाण-पत्र एनओसी प्रस्तुत करना होगा। पहचान पत्र: कम से कम दो फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य है।

### 11 अक्टूबर से रामलीला महोत्सव

निखं

**खेतड़ी नगर ( नवयत्न )**। केसीसी की श्री सनातन धर्म समिति के तत्वावधान में 11 अक्टूबर से दस दिवसीय रामलीला महोत्सव शुरू होगा। समिति अध्यक्ष सवाई सिंह सिराधना और महामंत्री अभिषेक पारीक ने बताया कि रविवार 11 अक्टूबर से रामलीला महोत्सव का शुभारंभ होगा। दस दिनों तक रामलीला का मंचन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 20 अक्टूबर मंगलवार को शाम 6 बजे केसीसी के नेहरू मैदान में 45 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। इसके साथ ही दस दिवसीय रामलीला महोत्सव का समापन होगा।

## आज मनाया जाएगा बावलिया बाबा का श्राद्ध दिवस

निखं

**बुगाला ( नवयत्न )**। परमहंस पंडित गणेश नारायण बावलिया बाबा का श्राद्ध दिवस 4 अक्टूबर को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। बाबा के मंदिर एवं म्यूजियम परिसर में ‘एक शाम बाबा के नाम’ कार्यक्रम आयोजित होगा। कपिल कुमावत ने बताया कि कार्यक्रम में बाबा की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। इसके बाद सामूहिक गणेश चालीसा पाठ और 101 दीपों से महाआरती होगी। महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। आयोजन की थीम श्रद्धा, भक्ति, सेवा, समर्पण और आस्था रखी गई है।

### वाल्मीकि रामायण आज से

निखं

**सालासर ( नवयत्न )**। कस्बे में संकटमोचन धर्मशाला के पास 7 दिवसीय वाल्मीकि रामायण का आयोजन किया जायेगा। श्री हनुमान सेवा समिति के अध्यक्ष सत्यप्रकाश पुजारी ने बताया कि 4 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित वाल्मीकि रामायण में मल्लूक पीठाधीश्वर रेवासा धाम के महंत राजेंद्रदास देवाचार्य के मुखारबिंद से होगी। शाम 3 बजे से 6 बजे तक आयोजित कथा में आस पास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रोता भाग लेंगे। इसके अलावा हर प्रत्येक दिन शाम को भजन संध्या के साथ-साथ रस व लीला का आयोजन होगा। 4 अक्टूबर को रात्रि में जागरण होगा जिसमें महंत गुलाबनाथ महाराज भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। 9 अक्टूबर को आयोजित जागरण में गायक निकुंज कामरा द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जायेगी।

# 17 स्कूलों में गूंजा गीता का ज्ञान, 2700 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा संस्कारों से नई पीढ़ी को जोड़ने की पहल, परीक्षा के बाद गीता पाठ, गौसेवा व वृक्षारोपण का संकल्प

श्रीराम तिवड़ी

नोखा (नवयत्न)। श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान एवं जीवन मूल्यों से विद्यार्थियों को जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित गीता ज्ञान लिखित परीक्षा-2026 में नोखा क्षेत्र के 17 विद्यालयों के करीब 2700 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा का आयोजन मानव प्रबोधन प्रत्यास, श्री लालेश्वर महादेव मंदिर, शिवमठ, शिवबाड़ी, बीकानेर की ओर से मठाधीश स्वामी विमर्शानन्द गिरी महाराज के सानिध्य में किया गया। नोखा प्रभारी पवन चांडक ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गीता ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। अलग-अलग विद्यालयों में एक साथ हुई परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह नजर आया। विद्यार्थियों ने गीता के ज्ञान, जीवन मूल्यों एवं संस्कारों से जुड़े प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी समझ का प्रदर्शन किया। परीक्षा के सफल आयोजन में बीकानेर से पहुंचे पर्यवेक्षक हरीश शर्मा एवं उनके साथियों के साथ सभी संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहयोग किया। परीक्षा को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए नोखा के साधकगण एवं कार्यकर्ता पिछले एक सप्ताह से तैयारियों में जुटे हुए थे। परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं से लेकर विद्यार्थियों के मार्गदर्शन तक

कार्यकर्ताओं ने सेवा भाव से जिम्मेदारियां निभाईं।

**जन्मदिन को बनाया सेवा और संस्कार का अवसर**

परीक्षा के बाद आयोजित विशेष धार्मिक कार्यक्रम में नोखा प्रभारी पवन चांडक की पुत्री खुशी चांडक का जन्मदिन भी मनाया गया। जन्मदिन को पारंपरिक उत्सव के बजाय धार्मिक एवं सेवा गतिविधियों से जोड़ते हुए गीता पाठ, हनुमान चालीसा पाठ, गौसेवा तथा वृक्षारोपण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार इन्द्रचन्द मोदी एवं संयुक्त प्रभारी महावीर साध ने कहा कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, धार्मिक ग्रंथों और संस्कारों से जोड़ने के लिए इस प्रकार के आयोजन महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों को सेवाएँ संस्कार और सामाजिक सरोकारों से जोड़कर मनाने की परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गीता जीवन को दिशा देने वाले विचारों और मूल्यों का महत्वपूर्ण स्रोत है। विद्यार्थियों को प्रारंभिक अवस्था से ही ऐसे ज्ञान से जोड़ने से उन्हें जीवन मूल्यों, अनुशासन और संस्कारों के प्रति समझ विकसित हो सकती है।

**सहयोगियों का जताया आभार**

परीक्षा के सफल आयोजन पर पवन चांडक ने सभी

# तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का समापन



**तारानगर ( नवयत्न )**। राजकीय महिला महाविद्यालय, तारानगर में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम 01 से 03 अक्टूबर 2026 का शनिवार को महविद्यालय के प्राचार्य सुभाष चंद्र बोला की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक समापन किया गया। एनएसएस प्रभारी डॉ. अंकिता गोयल ने बताया कि कार्यक्रम के अंतिम दिवस का मुख्य आकर्षण सेवानिवृत्त प्रोफेसर धवल रहे, जिन्होंने छात्राओं के मध्य ग्रामीण महिला विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में आने वाली चुनौतियों से संबंधित एक सर्वेक्षण कराया। इस दौरान छात्राओं से प्रश्नावली के माध्यम से विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक पहलुओं की जानकारी एकत्रित की गई, जिससे उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को समझने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान एनएसएस प्रभारी डॉ. अंकिता गोयल ने एनएसएस की छात्राओं को एनएसएस डायरी का वितरण किया, जिससे वे वर्षभर की गतिविधियों का सुव्यवस्थित अभिलेखन कर सकें। प्राचार्य सुभाष चंद्र बोला ने विधिवत कार्यक्रम के समापन की घोषणा करते हुए छात्राओं को समाज सेवाएँ स्वच्छता, नशा मुक्ति एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम ने छात्राओं में सामाजिक जागरूकता, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रकार तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम उत्साह, अनुशासन एवं सकारात्मक ऊर्जा के साथ समस्त स्टाफ सदस्यों की गरिमायुक्त उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

# स्टार स्पोर्ट्स एकेडमी की हिमानी व याशिका ने जीते रजत, तनिष्का ने कांस्य पदक

## 70वीं राज्य स्तरीय स्कूल वुशू प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

निखं

**तारानगर ( नवयत्न )**। 70वीं राज्य स्तरीय स्कूल वुशू प्रतियोगिता में स्टार स्पोर्ट्स अकादमी, तारानगर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। गंगांगार में आयोजित प्रतियोगिता के 19 वर्षीय बालिका वंगं में हिमानी और याशिका ने रजत पदक, जबकि 17 वर्षीय बालिका वंगं में तनिष्का ने कांस्य पदक हासिल किया। तीनों खिलाड़ियों ने कड़े मुकाबलों में बेहतरीन खेल कोशल, आत्मविश्वास और जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल

किए। खिलाड़ियों को इस उपलब्धि से स्टार स्पोर्ट्स एकेडमी एवं तारानगर के खेलप्रेमियों में खुशी का माहौल है। स्टार स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष सुशील दाधीच ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं प्रशिक्षक चिकित शर्मा ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और मेहनत से एकेडमी के खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर लगातार अपनी पहचान बना रहे हैं। इस उपलब्धि पर एकेडमी के खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं खेलप्रेमियों ने हिमानी, याशिका और तनिष्का को बधाई दी।

## आत्मा योजना में पंचायत समिति, जिला एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों के लिए पुरस्कार आवेदन आमंत्रित

सुरेन्द्र शर्मा

**सीकर ( नवयत्न )**। आत्मा योजनान्तर्गत वर्ष 2026-27 में कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों को पंचायत समिति, जिला एवं राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। उप निदेशक कृषि एवं पदने परियोजना निदेशक आत्मा जयपुर ओमप्रकाश कुमावत ने बताया कि पंचायत समिति स्तर पर कृषकों का गतिविधिवार चयन किया जाएगा।

इसमें कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं डेयरी, जैविक खेती तथा नवभार खेती की गतिविधियां शामिल हैं। प्रत्येक गतिविधि में उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक-एक कृषक का चयन किया जाएगा। इस प्रकार प्रत्येक पंचायत समिति स्तर से कुल पांच कृषकों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति स्तर पर चयनित कृषकों में से प्रत्येक गतिविधि के दो-दो सर्वश्रेष्ठ कृषकों का चयन जिला स्तर के लिए किया जाएगा। इस प्रकार जिला स्तर पर कुल 10 कृषकों का चयन होगा। इसके बाद प्रदेशभर से चयनित कृषकों में से राज्य स्तर पर पथम एवं द्वितीय श्रेणी में पांच-पांच, कुल 10 कृषकों को पुरस्कार प्रदान किए

जाएंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2009-10 से 2025-26 तक आत्मा योजना अथवा अन्य किसी योजना के तहत किसी भी स्तर, पंचायत समिति, जिला एवं राज्य स्तर पर पुरस्कार प्राप्त कर चुके कृषक वर्ष 2026-27 के पुरस्कार के लिए पात्र नहीं होंगे। पुरस्कार राशि पंचायत समिति स्तर पर 10 हजार रुपए, जिला स्तर पर 25 हजार रुपए तथा राज्य स्तर पर 50 हजार रुपए निर्धारित की गई है। आवेदन प्रस्ताव के साथ कृषक का नाम, पिता का नाम, निवास स्थान पंचायत समिति का नाम, मोबाइल नंबर, आधार संख्या, बैंक खाता विवरण एवं आईएफएससी कोड, कार्य का विवरण, उपलब्धियों के प्रमाण-पत्र, रंगीन फोटोग्राफ सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि पुरस्कार के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2026 है। आवेदन नजदीकी कृषि पर्यवेक्षक, सहायक कृषि अधिकारी अथवा संबंधित सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) कार्यालय में जमा करए जा सकते हैं। आवेदन पत्र नि:शुल्क उपलब्ध है। योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए नजदीकी कृषि कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।



17 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, बीकानेर से आए पदाधिकारियों एवं पर्यवेक्षक हरीश शर्मा सहित सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि सामूहिक सहयोग, सेवा और समर्पण के कारण ही नोखा क्षेत्र में इतने बड़े स्तर पर गीता ज्ञान परीक्षा का आयोजन सफलतापूर्वक संभव हो सका।

# महावीर इंटरनेशनल ने बालिकाओं को वितरित किए 200 सेनेटरी नेपकिन मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति किशोरियों को किया जागरूक

श्रीराम तिवड़ी

**नोखा ( नवयत्न )**। महिला स्वास्थ्य एवं जागरूकता को लेकर महावीर इंटरनेशनल अपेक्स की ओर से चलाए जा रहे झिझक छोड़ो, चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो अभियान के तहत शनिवार को रायसर रोड स्थित सावित्री देवी गढ़ाणी बालिका आदर्श विद्या मंदिर, नोखा में सेनेटरी नेपकिन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय की बालिकाओं के लिए 200 सेनेटरी नेपकिन उपलब्ध करवाए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ महावीर इंटरनेशनल की प्राथंना से हुआ। नोखा वीर केंद्र के चेयरमैन सुरेंद्रकुमार हीरावत ने बताया कि महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से यह सेवा गतिविधि आयोजित की गई। महावीर इंटरनेशनल नोखा के सचिव वीर बाबूलाल कांकरिया ने कहा कि किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। स्वच्छता के प्रति जागरूकता से संक्रमण जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। केंद्र सदस्य वीर ईश्वरचंद दूगड़ ने बताया कि नोखा



वीर केंद्र की ओर से 100 तथा यूथ केंद्र की ओर से 100, कुल 200 सेनेटरी नेपकिन विद्यालय प्रधानाचार्य भागचंद बिश्नोई, लीलाकंवर एवं कौशलया सियाग को सुपुर्द किए गए। यूथ केंद्र के वीर पंकज गोयल ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल अपेक्स द्वारा महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता का यह अभियान देशभर में नियमित रूप से चलाया

जा रहा है। इसके तहत प्रतिमाह करीब 350 केंद्रों के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर जागरूकता एवं सेवा गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य भागवंद बिश्नोई ने कहा कि किशोरवय बालिकाओं के लिए सेनेटरी नेपकिन आवश्यक स्वास्थ्य सामग्री है। उचित हाइजीन उत्पादों के उपयोग और स्वच्छता संबंधी जागरूकता से संक्रमण से बचाव

में मदद मिल सकती है। उन्होंने बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिए किए जा रहे सेवा कार्यों पर महावीर इंटरनेशनल का आभार जताया। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, श्याम सेवना, सुरेंद्र बिश्नोई, प्रियंका गोयल, सुनीता कंवर राठौड़ सहित विद्यालय का स्टाफ एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

## आज लगेगा ‘खुशियों का बाजार’, पसंद से कपड़े चुन सकेंगे जरूरतमंद

सजान शर्मा

**झूंझुनूं ( नवयत्न )**। महावीर इंटरनेशनल की पहल पर राष्ट्रीय वस्त्र सेवा अभियान के तहत ‘कपड़ा बैंक-खुशियों का बाजार’ का आयोजन 4 अक्टूबर को गांधी चौक में किया जाएगा। बाजार का शुभारंभ दोपहर 2 बजे होगा। खास बात यह है कि जरूरतमंद परिवारों को कपड़े नि:शुल्क देने के बजाय उन्हें अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार वस्त्र चुनने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय सह समन्वयक श्यामसुंदर जालान ने बताया कि कपड़े 10 रुपए की स्वाभिमान सहयोग राशि पर उपलब्ध करवाए जाएंगे। बाजार में स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित तरीके से रखे गए कपड़ों में से जरूरतमंद व्यक्ति अपनी पसंद के वस्त्र स्वयं चुन सकेंगे। उन्होंने बताया कि आमतौर पर जरूरतमंदों को सहायता के रूप में कपड़े दे दिए जाते हैं, लेकिन उनकी पसंद और जरूरत का ध्यान नहीं रखा जाता। ‘खुशियों का बाजार’ के जरिए जरूरतमंद परिवारों को अपनी पसंद के कपड़े चुनने का अवसर देकर उनके सम्मान और स्वाभिमान को बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा। भविष्य में शहर के अलग-अलग स्थानों पर भी ‘खुशियों का बाजार’ लगाए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवार इस पहल से जुड़ सकें।

## हम भारत के लोग संदेश के साथ निकाली जा रही यात्रा आज बुचावास पहुंचेगी

**तारानगर ( नवयत्न )**। हम भारत के लोग संदेश के साथ निकाली जा रही यात्रा आगामी 4 अक्टूबर को चूरू जिले गांव बुचावास पहुंचेगी। कार्यक्रम को लेकर मनोज जांगिड़ ने बताया कि यात्रा के दौरान लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लोक नृत्य सहित पारंपरिक वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में युवाओं और नई पीढ़ी की भी जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, ताकि ग्रामीण संस्कृति एवं परंपराओं से युवा परिचित हो सकें। वहीं एडवोकेट गायत्री पूनिया ने बताया कि कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में नजर आएंगी। महिलाएं कंबडूई के मैदान में उतरकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से ग्रामीण संस्कृति, महिला सहभागिता और खेल भावना को एक साथ मंच देने का प्रयास किया जाएगा।

## नशामुक्त समाज का संदेश लेकर नोखा में दौड़ेंगे युवा, आज मैराथन

श्रीराम तिवड़ी

**नोखा ( नवयत्न )**। युवाओं, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त परिवार व समाज के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 4 अक्टूबर 2026, रविवार को नोखा में न्शामुक्त परिवार मैराथन-2026 का आयोजन किया जाएगा। मैराथन का आयोजन अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी एवं अणुव्रत समिति, नोखा के तत्वावधान में किया जा रहा है। अणुव्रत समिति नोखा के अध्यक्ष रमेश कुमार व्यास की ओर से जारी आमंत्रण के अनुसार मैराथन का शुभारंभ सुबह 7 बजे सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय, सुजागण्ड रोड से होगा। यहां से प्रतिभागी मोहानपुरा होते हुए रायसर रोड तक दौड़ लगाएंगे। आयोजन में करीब 100 प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना जताई गई है।

नाबालिग से अश्लील हरकत व धमकी के आरोपी को एक साल का कठोर कारावास 10 हजार रुपए का अर्थदंड, राशि नहीं देने पर दो माह अतिरिक्त सजा

संजय सोनी

**झुंझुनूं ( नवयत्न )**। पोक्सो न्यायालय झुंझुनूं के विशिष्ट न्यायाधीश इसरार खोखर ने नाबालिग से अश्लील हरकत एवं अश्लील इशारे करने तथा उसे उठा ले जाने और बलात्कार की धमकी देने के मामले में आरोपी सतीश उर्फ कालिया पुत्र राजेश जाट निवासी नानवास, थाना बुहाना को एक वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर 10 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड जमा नहीं कराने पर दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामले के अनुसार 13 अक्टूबर 2025 को परिवारद्विया अपनी नाबालिग बेटी के साथ कपड़े सिलवाने के लिए टेलर के पास जा रही थी। इसी दौरान आरोपी सतीश उर्फ कालिया ट्रैक्टर-ट्रैली में सीमेंट व क्रेशर भरकर वहां से जा रहा था। आरोप है कि आरोपी ने नाबालिग की ओर अश्लील हरकतें और इशारे किए। साथ ही उसे उठा ले जाने और बलात्कार करने की धमकी दी। परिवारद्विया की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की। जांच पूरी होने के बाद आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया गया। राज्य सरकार की ओर से विशिष्ट लोक अभियोजक सुरेंद्र सिंह भाम्नू ने पैरवी की। उन्होंने न्यायालय में कुल 11 गवाहों के बयान करवाए और 15 दस्तावेज प्रदर्शित कर आरोपी को कठोर सजा देने की मांग की। न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का विश्लेषण करने के बाद आरोपी सतीश उर्फ कालिया को दोषी मानते हुए एक वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया।

गांधी-शास्त्री जयंती पर जाखल स्कूल में हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं



निर्स

**बुगाला ( नवयत्न )**। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाखल में शुक्रवार को गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यार्थियों के बीच निबंध, भाषण और पोस्टर प्रतियोगिताएं करावाई गईं। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप प्राचार्य सुनील झाड़ाड़िया ने की। प्रधानाचार्य सुरेंद्र पारीक ने बताया कि प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, विचारों एवं आदर्शों से परिचित कराना तथा रचनात्मक गतिविधियों के प्रति प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शैतान राम सैनी ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, संघर्ष और देश के प्रति योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से दोनों महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार ने किया। इस दौरान विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

अजमीढ़ धाम संरक्षक नरेश नारनोली का दिल्ली में सम्मान



निर्स

**बुगाला ( नवयत्न )**। स्वर्णकार चेतना परिवार की ओर से दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में सिंधाना निवासी एवं अजमीढ़ धाम के संरक्षक नरेश नारनोली सहित झुंझुनूं जिले के पांच विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। समारोह में नरेश नारनोली को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। आयोजकों ने माल्यार्पण कर उन्हें प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। नारनोली ने कहा कि स्वर्णकार चेतना परिवार समाज और विद्यार्थियों के सम्मान के लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज के विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना और उनका हौसला बढ़ाना है। उन्होंने आयोजक रमेश सोनी मंडावरा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और लगन से यह कार्यक्रम हर वर्ष सफलता की नई सीढ़ी चढ़ रहा है। समारोह में देशभर से विद्यार्थी और समाजबन्ध बड़ी संख्या में शामिल हुए।

नवजात शिशु मिलने का मामला

एफएसएल टीम ने घटनास्थल से जुटाए जरूरी साक्ष्य

ललित दाधीय

**राजलदेसर ( नवयत्न )**। राजलदेसर में भावनदेसर रोड स्थित वार्ड नंबर 26-27 में कटीली झाड़ियों और कचरे के बीच नवजात शिशु मिलने की घटना को लेकर शनिवार को चूरू से एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने मौके का बारीकी से निरीक्षण कर घटना से जुड़े जरूरी साक्ष्य जुटाए। एफएसएल टीम प्रभारी कुण कुमार के नेतृत्व में टीम ने घटनास्थल से विभिन्न साक्ष्य एकत्र किए और मौके की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान पुलिस थाना राजलदेसर से एएसआई रोशनलाल सहित पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद रहे। गौरतलब है कि शुक्रवार सुबह कटीली झाड़ियों और कचरे के बीच नवजात शिशु मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात को अस्पताल पहुंचाया गया घटना के बाद पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। एफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं पुलिस अब मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं को जांच करते हुए नवजात को झाड़ियों में छोड़ने वाले व्यक्ति तक पहुंचने के प्रयास में जुटी है।

26 सितंबर को लापता संत, 27 को मिली लाश... 5 दिन में खुला राज लोहार्गल संत हत्याकांड मामला : ग्रामीणों और संतों ने दिया था 7 दिन का अल्टीमेटम, पाचवें दिन सुरेश कुमार गिरफ्तार

अशोक राईका

**झुंझुनूं ( नवयत्न )**। लोहारगल के बरखंडी धाम में संत सूरजदास की हत्या और लूट के मामले का गोठड़ा थाना पुलिस ने पांचवें दिन खुलासा कर दिया हैं। पुलिस ने मामले में एक आरोपी सुरेश कुमार (44) पुत्र ग्यारसीलाल, निवासी झाझम की ढाणो, तन पहाड़ीला को गिरफ्तार किया है। संत की हत्या के बाद ग्रामीणों और संत समाज की ओर से धरना-प्रदर्शन कर पुलिस को मामले का खुलासा और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 7 दिन का अल्टीमेटम दिया गया था। पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले में जांच जारी है। पुलिस के अनुसार 27 सितंबर को शंकरलाल ने गोठड़ा थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में बताया गया कि लोहारगल धाम स्थित बरखंडी बाबा मंदिर के संत सूरजदास, जो सिंगोद कलां जयपुर के रहने वाले थे, 26 सितंबर की शाम से लापता हैं। 27 सितंबर की सुबह मंदिर पर पहुंचे यात्रियों ने संत के वहां नहीं होने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर संत की तलाश शुरू की। मामला गंभीर होने पर पुलिस ने अलग-अलग टीमें गठित की। घटनास्थल का एफएसएल टीम, डॉंग स्कॉड, साइबर टीम और एमओबी की टीम ने निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से उपलब्ध साक्ष्यों को जुटाते हुए संत की तलाश शुरू की।

पचलंगी मातेश्वरी कुश्ती दंगल में पहलवानों ने दिखाया दमखम अंतिम मुकाबला बराबरी पर छूटा

दिल्ली और भिवानी के पहलवानों के बीच हुआ रोमांचक मुकाबला, सहाहनीय कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं व फनकारों का सम्मान



सुगेर गौणा

**उदयपुरवाटी ( नवयत्न )**। पचलंगी गांव में गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित मातेश्वरी कुश्ती दंगल में महिला एवं पुरुष पहलवानों ने अपने दमखम का प्रदर्शन किया। दंगल में राजस्थान सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे पहलवानों ने कुश्ती के दांव-पेच दिखाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। दिल्ली और भिवानी के पहलवानों के बीच हुई अंतिम कुश्ती का मुकाबला बराबरी पर रहा। मेले का शुभाभं राजस्थान सरकार के यूपीएच मंत्री झावर सिंह खर्रां ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उदयपुरवाटी के पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने की। इस दौरान मंत्री झावर सिंह खर्रां ने कहा कि मेलों के आयोजन से आपसी भाईचारे की भावना मजबूत होती है और ग्रामीण क्षेत्र की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। मेले में नेकीराम एंड पार्टी की ओर से ऊंट और घोड़े के करतब भी प्रस्तुत किए गए। वहीं रंग-बिरंगी आतिशबाजी ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों ने मेले में जमकर खरीदारी की। कार्यक्रम में झड़या बालाजी मंदिर के महंत महामंडलेश्व श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज, उदयपुरवाटी नगर पालिका अध्यक्ष अनुपथा सैनी, पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि महेश सैनी, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि गौतम मारवाल, महावीर यादव, कैप्टन रामनिवास तावर, डॉ. रामावतार गजराज, सहकारी समिति अध्यक्ष लक्ष्मण कुड़ी, समाजसेवी मुक्तिलाल, रिछपाल कुड़ी, युवा नेता राहुल बड़सरा, महेंद्र तेतरवाल, मानसिंह बड़सरा, सुरेश चोटिया, नथमल टेलर, विकास जांगिड़, हनुमान यादव सहित कई लोग मौजूद रहे। उदयपुरवाटी थाने के सीआई रामपाल मीणा पुलिस जवानों के साथ मेले में मौजूद रहे। रात को सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। मेला कमेटी अध्यक्ष मदनलाल भावरिया एवं सदस्यों ने मेले में पहुंचे सभी लोगों का आभार बताया।

**कार्यकर्ताओं और फनकारों का सम्मान**—मेला कमेटी की ओर से सामाजिक वए अन्य क्षेत्रों में सहाहनीय कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं और फनकारों का सम्मान किया गया। मेला कमेटी अध्यक्ष मदनलाल भावरिया, संयोजक जगदीश जाखड़, डॉ. रामकुमार शिराधना सहित कमेटी सदस्यों ने यूपीएच मंत्री झावर सिंह खर्रां का शेखावाटी परंपरा के अनुसार स्वागत किया।

झुंझुनूं का रेल हक : कैंडल मार्च से जंक्शन बनाने की उठी आवाज नई रेल सेवाएं शुरू करने, ट्रेनों के फेरे बढ़ाने और झुंझुनूं को रेलवे जंक्शन बनाने की मांग



देवेंद्र कुमावत

**झुंझुनूं ( नवयत्न )**। नई रेल सेवाएं शुरू करने और झुंझुनूं को रेलवे जंक्शन बनाने की मांग को लेकर रेलवे स्टेशन पर कैंडल मार्च निकाला गया। शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति के जन संघर्ष अभियान के तहत हुए मार्च में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। गांधी जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर निकाले गए मार्च में कैंडल की रोशनी के जरिए रेल सुविधाओं के अभाव का अंधेरा दूर करने और झुंझुनूं को उसका रेल हक दिलाने का संदेश दिया गया। समिति अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि स्टेशन

राजस्थानी शिशु मंदिर के 51वें वार्षिकोत्सव पर जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं

सुष्टेर् धर्मा

**झुंझुनूं ( नवयत्न )**। मोदी रोड स्थित राजस्थानी शिशु मंदिर का 51वां वार्षिकोत्सव समारोह 5 अक्टूबर से शुरू होगा। विद्यालय की ओर से वार्षिकोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें विद्यार्थियों के लिए विभिन्न जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं होंगी। विद्यालय के निदेशक

गहरी खाई में मिला संत का शव

पुलिस और ग्रामीणों की ओर से आसपास के क्षेत्र में तलाश की जा रही थी। इसी दौरान बरखंडी की पहाड़ियों में एक गहरी खाई में संत सूरजदास का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। शव मिलने के बाद पुलिस ने हत्या की आशंका को लेकर जांच तेज कर दी। गहरी खाई में शव होने के कारण पुलिस टीम के साथ एसडीआरएफ जयपुर और जिला रेस्क्यू टीम की मदद ली गई। टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर शव को खाई से बाहर निकाला। इसके बाद मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

तकनीकी जांच से आरोपी तक पहुंची पुलिस

शव मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें लगाईं। पुलिस के अनुसार तकनीकी संसाधनों और अनुसंधान के आधार पर आरोपी सुरेश कुमार की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले में हत्या और लूट से जुड़े सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। आरोपी से पूछताछ के आधार पर घटना में उसकी भूमिका और अन्य तथ्यों की पड़ताल की जा रही है।

कई टीमों ने मिलकर की कार्रवाई

कार्रवाई एसपी कोलेंद्र सिंह सागर के निदेशन में एसपी देवेंद्र सिंह राजावत, नवलगढ़ डीएसपी सुगन सिंह, गोठड़ा थानाधिकारी प्रेमप्रकाश के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। टीम में उप निरीक्षक जयप्रकाश सिंह, सहायक उप निरीक्षक राकेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक



ज्ञान सिंह, हेड कांस्टेबल रोहिताश, महेंद्र कुमार, रामसिंह, कानाराम, राजेश कुमार सहित गोठड़ा थाना पुलिस के जवान शामिल रहे। इसके अलावा उदयपुरवाटी थानाधिकारी रामपाल मीणा, नवलगढ़ थानाधिकारी अजय

सिंह की टीम, साइबर सेल झुंझुनूं और डीएसटी झुंझुनूं की टीम ने भी जांच में सहयोग किया। पुलिस ने सहायक उप निरीक्षक राकेश कुमार और हेड कांस्टेबल रोहिताश की विशेष भूमिका बताई है।

झुंझुनूं में दूसरे चरण से शुरू होगा मतदान सबसे पहले झुंझुनूं, चिड़ावा, सूरजगढ़, सिंधाना, पिलानी, और बुहाना में होगी वोटिंग

अशोक राईका

**झुंझुनूं ( नवयत्न )**। पंचायती राज चुनाव का कार्यक्रम जारी होने के साथ ही गांवों में चुनावी हलचल तेज होने लगी है। झुंझुनूं जिले के मतदाताओं को पहले चरण में मतदान का मौका नहीं मिलेगा। जिले में पंचायत चुनाव की शुरुआत दूसरे चरण से होगी। इसके चलते संभावित प्रत्याशियों ने भी अब अपने – अपने क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य में पंच और सरपंच के चुनाव चार चरणों में होंगे। पहले चरण का मतदान 25 अक्टूबर, दूसरे चरण का 31 अक्टूबर, तीसरे

चरण का 6 अक्टूबर और चौथे चरण का 16 नवंबर को होगा। वहीं जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान 23 अक्टूबर, 29 अक्टूबर, 4 नवंबर और 14 नवंबर को चार चरणों में कराया जाएगा।

वोटिंग का समय सुबह सात बजे से शाम 6 बजे तक होगा। लेकिन झुंझुनूं जिले में मतदान तीन चरणों में कराया जाएगा। जिले में कुल 14 पंचायत समिति और 389 ग्राम पंचायत हैं। जिला परिषद पंचायत समिति सदस्यों की मतगणना जिला मुख्यालय पर होगी, जो 20 नवंबर को सुबह 8 बजे बजे से शुरू होगी। जिला

प्रमुख के चुनाव 25 नवंबर को, उप जिला प्रमुख के चुनाव 26 नवंबर को, प्रधान के चुनाव 27 नवंबर को, उप प्रधान के चुनाव 28 नवंबर को होंगे। वहीं पंच और सरपंचों के चुनाव परिणाम वोटिंग के दिन ही देर रात तक नतीजे घोषित होंगे। सरपंच और वार्ड पंच के चुनाव बैलेट से होंगे। पंचायत समिति मेंबर और जिला परिषद मेंंबर के चुनाव ईवीएम से होंगे। जिला परिषद सदस्य के लिए 3 लाख रुपए , पंचायत समिति सदस्य के लिए 1.50 लाख रुपये तथा सरपंच पद के चुनाव खर्च की सीमा 1 लाख रुपए रखी गई है।

कौन - कौन से चरण में होगी वोटिंग

झुंझुनूं जिले में दूसरे चरण से चुनावी प्रक्रिया शुरू होगी। दूसरे चरण में झुंझुनूं, चिड़ावा, सूरजगढ़, सिंधाना, पिलानी और बुहाना क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के साथ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंच-सरपंच पदों के लिए भी मतदान होगा। इसके बाद तीसरे चरण में नवलगढ़, गोठड़ा, उदयपुरवाटी और गुढ़ागोड़जी क्षेत्र में चुनाव होंगे। वहीं चौथे चरण में खेड़ी, बर्बाद, मंडावा, और अलसीसर क्षेत्र मतदाता अपने मतधिकार का इस्तेमाल करेंगे।

गांधी जयंती पर विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छता और सत्य-अहिंसा का संदेश



संजय सोनी

**झुंझुनूं ( नवयत्न )**। शहीद कर्नल जे.पी. जानू पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में गांधी जयंती एवं स्वच्छता दिवस समारोह उत्साह और गरिमापूर्ण माहौल में मनाया गया। संस्था प्रधान अभिषेक चौधरी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी के विचारों को याद करते हुए स्वच्छता, सत्य और अहिंसा का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुरुआत महात्मा गांधी के जीवन, सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों

पर भाषण से हुई।

इसके बाद विद्यार्थियों ने गांधी भजनों की प्रस्तुति दी। विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर विभिन्न प्रकार के कचरे का संग्रहण एवं प्रबंधन किया गया। विद्यार्थियों ने स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस दौरान महात्मा गांधी के जीवन में आधारित प्रेरणादायक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। स्वच्छता एवं गांधी दर्शन विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थियों ने गांधीजी के जीवन पर आधारित

कविताओं का पाठ किया और लघु नाटक के माध्यम से उनके विचारों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उप प्राचार्य अरुण चौमाल, अंजू चौधरी, राजेश कुमार, मुकेश कटारिया, मुकेश मीठवाल, ईशार बाबू, प्यारेलाल, शरीफ, वीरेंद्र, अयाज, भवानी सिंह, राजकुमारी, रामजीलाल डोंगी सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और राक्षसेव के प्रति जागरूक रहने तथा गांधीजी के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया।

65 मेधावी विद्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान, 1.50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि बांटी



निर्स

**बुगाला ( नवयत्न )**। सेठ गणेशनारायण शिवबाक्सराय साँथलिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाखल में शुक्रवार को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सुशील कंवर स्मृति धर्माष्ट न्यास की ओर से नगरपालिका क्षेत्र के राजकीय एवं निजी विद्यालयों के 65 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को नकद प्रोत्साहन राशि, प्रशंसा-पत्र एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। न्यास की संस्थापक सुनंदा शेखावत ने अपने पिता डॉ. दयाल सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि पर विद्यार्थियों को करीब 1.50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित की। इसके साथ ही विद्यालय स्टाफ की सुविधा के लिए 21 हजार रुपए की लॉकर अलमारी भी भेंट की गई। समारोह के मुख्य अतिथि सम्पत सिंह धमोरा ने डॉ. दयाल सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए कहा कि दूसरों के लिए कार्य करने वाला व्यक्ति ही सच्चे अर्थों में महापुरुष कहलाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के माध्यम से समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

समारोह की अध्यक्षता नगरपालिका अध्यक्ष भगवान सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि दशरथ सिंह, भगवान सिंह जयपुर, प्रताप सिंह मूंड एवं महावीर सिंह मालिया वाले रहे। प्रधानाचार्य सुरेंद्र पारीक ने अतिथियों एवं न्यास का आभार बताया। संचालन सुनील कुमार ने किया। इस दौरान विक्रम सिंह, रामसिंह हवेली, मनीराम कुमावत, विमल सिंह, कल्याण सिंह, हेमंत चारण, सेवानिवृत्त तहसीलदार जगदीश प्रसाद, अमीलाल गढ़वाल, धर्मपाल, हिम्मत सिंह, सांवरमल खेदड़ सहित अन्य मौजूद रहे।



## सम्पादकीय

### एसआईआर का बेजा विरोध



त तदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया में छूट गए मतदाताओं का पता लगाकर उनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए विशेष अभियान की चुनाव आयोग की तैयारी के बाद भी विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करने में जुटा है।

समझना कठिन है कि इससे उसे क्या हासिल होगा, क्योंकि वह एसआईआर का भी विरोध कर रहा है। एसआईआर के विरोध का सीधा अर्थ है कि विपक्ष मतदाता सूचियों को सही करने के पक्ष नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि एक ओर वह मतदाता सूचियों में त्रुटियों की शिकायत भी कर रहा है और दूसरी ओर उन्हें दूर करने के लिए एसआईआर भी नहीं होने देना चाहता।

उसके इस रवैये से तो यही लगता है कि उसका एक मात्र उद्देश्य चुनाव आयोग को बदनाम करना और उसकी विश्वसनीयता संदिग्ध बनाना है। संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए अनर्गल आरोपों के सहारे किसी संवैधानिक संस्था को साख से खिलवाड़ करना एक तरह से लोकतंत्र को कमजोर करने वाला ही कृत्य है।

लोकतंत्र अपनी संस्थाओं के जरिये सशक्त होता है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि लोकतंत्र की दुहाई दे रहे विपक्षी दल एक तरह से उसकी जड़ों पर ही प्रहार करने का काम कर रहे हैं।

इस सच से मुंह मोड़ने का कोई मतलब नहीं कि करीब दो दशक से मतदाता सूचियों को सही न किए जाने के चलते उसमें तमाम गड़बड़ियां घर कर गई हैं। इन्हें एसआईआर के जरिये ही दूर किया जा सकता है और इस प्रक्रिया का पालन करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार है। इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी बार-बार स्पष्ट किया है।

इससे इनकार नहीं कि जहां लगभग 90 करोड़ मतदाता हों, वहां मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने की प्रक्रिया में कुछ गड़बड़ियां हो सकती हैं, लेकिन इसके आधार पर यह निष्कर्ष निकालना लोगों को गुमराह करना ही है कि चुनाव आयोग दल विशेष के पक्ष में काम कर रहा है।

विपक्ष चुनाव आयोग पर ऐसे आरोप तो बढ़-चढ़कर लगा रहा है, लेकिन एसआईआर की प्रक्रिया में उसका सहयोग करने के लिए तैयार नहीं। इसी तरह वह एसआईआर कर रहे कर्मियों की गलतियों को तो तुल दे रहा है, लेकिन इसकी अनदेखी कर रहा है कि चुनाव आयोग उन्हें ठीक करने के भी कदम उठा रहा है और इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट भी उसे आवश्यक निर्देश दे रहा है। आखिर जिस प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट सही मान रहा है, उसे गलत ठहराने का क्या औचित्य? अब जब विपक्षी दल चुनाव आयोग को लांछित करने के अपने एकसूत्रीय कार्यक्रम में जुट गए हैं, तब आयोग को भी देखना होगा कि वह उनके दुष्प्रचार की काट कैसे करे? उसके सामने इसके अलावा और कोई उपाय नहीं कि वह अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए सक्रियता दिखाए।

## ● विशेष आलेख

### जब झूठ सच जैसा दिखे और सच पर भी होने लगे शक

आधुनिक तकनीक से बदलते विश्व की रफ्तार आज थोड़ी ज्यादा हो चली है। कल्पना कीजिए कि चुनाव के बीच किसी के मोबाइल पर एक छोटा-सा वीडियो आता है। उसमें देश के किसी बड़े नेता का चेहरा होता है। हूबहू उसी नेता की आवाज में एक ऐसा विवादास्पद बयान होता है, जिसे सुनकर लोग स्तब्ध रह जाते हैं। कोई ऐसा भी होता है, जो उसे आगे भेज देता है और देखते ही देखते वह हजारों-लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। अगले दिन पता चलता है कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से तैयार किया गया फर्जी वीडियो था। मगर इस बीच उसका राजनीतिक असर हो चुका होता है।

फिर कुछ समय बाद उसी नेता का कोई वास्तविक विवाद सामने आता है और उसका प्रामाणिक वीडियो प्रसारित होता है। इस बार नेता के समर्थक उसे देखते ही कह देते हैं कि यह भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बनाया गया होगा।

इसी में आधुनिक डिजिटल लोकतंत्र का सबसे गहरा संकट छिपा है। समस्या केवल यह नहीं कि झूठ पहले से कहीं अधिक तेजी और विश्वसनीयता के साथ फैल सकता है। उससे भी बड़ा खतरा यह है कि झूठ की निरंतर उपस्थिति सच की विश्वसनीयता को भी संदिग्ध बना सकती है। जब नागरिक हर दुश्च, हर आवाज और हर प्रमाण पर संदेह करने लगे, तब लोकतंत्र केवल गलत सूचना का नहीं, बल्कि सत्य की पहचान के संकट का सामना करता है।

आज यह भूमिका असंख्य अनाम स्रोतों, सोशल मीडिया के समूहों और उनके पीछे काम करने वाली स्वचालित व्यवस्थाओं में बंट गई है। ऐसे वातावरण में उस व्यक्ति या संगठन को भी बहुत मिल सकती है, जो सबसे पहले, सबसे तेज और सबसे प्रभावशाली ढंग से नागरिकों को भ्रामनाओं को छू ले। राजनीतिक दल सीधे मतदाता के हाथ में मौजूद मोबाइल तक पहुंचने लगे। ‘डेटारिपोर्टल’ के अनुसार, 2024 की शुरुआत में भारत में लगभग 46 करोड़ सोशल मीडिया के उपयोगकर्ता थे।

डिजिटल मंचों के विस्तार ने राजनीति को महानगरों और पारंपरिक जनसभाओं की सीमाओं से बाहर निकाल दिया। अब राजनीतिक संदेश किसी मंच से दिया जाए, यह आवश्यक नहीं, वह एक छोटे वीडियो, संदेश, मीम या चित्र के रूप में सीधे मतदाता तक पहुंच सकता है।

इस सुविधा के साथ एक गंभीर विडंबना भी जुड़ी है। डिजिटल मंच केवल सूचना के नए रास्ते नहीं बने, बल्कि राजनीतिक प्रचार और दुष्प्रचार के भी शक्तिशाली माध्यम बन गए। 2019 के आम चुनाव के दौरान ऑक्सफोर्ड इंटरनेट संस्थान के शोधकर्ताओं के अध्ययन ने संकेत दिया था कि सोशल मीडिया पर राजनीतिक संवाद में भ्रामक और निम्न गुणवत्ता वाली सामग्री का प्रभाव उल्लेखनीय था। इससे स्पष्ट हुआ कि डिजिटल लोकतंत्र में सूचना की मात्रा बढ़ना आवश्यक रूप से सूचना की गुणवत्ता बढ़ने का प्रमाण नहीं है।

फिर भी चुनावी नतीजों को केवल सोशल मीडिया का परिणाम मानना एक सरलीकरण होगा। उम्मीदवार की छवि, स्थानीय मुद्दे, संगठनात्मक शक्ति, सामाजिक समीकरण और सरकार का प्रदर्शन आज भी चुनावी राजनीति में महत्वपूर्ण हैं। सोशल मीडिया ने इन कारकों को समाप्त नहीं किया है, बल्कि उनके ऊपर सूचना और प्रचार की एक अत्यंत तीव्र परत चढ़ा दी है।

वर्ष 2024 के आम चुनाव तक डिजिटल



राजनीतिक प्रचार एक नए चरण में प्रवेश कर चुका था। ‘एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्मस’ के विश्लेषण के अनुसार, चुनावी अवधि में गूगल के विभिन्न मंचों पर लगभग एक लाख 97 हजार राजनीतिक विज्ञापन दिखाई दिए और उन पर करीब 205 करोड़ रुपये खर्च हुए। इनमें 81 फीसद से अधिक विज्ञापन वीडियो के रूप में थे। यह बताता है कि चुनावी प्रचार में दुश्च सामग्री अब केन्द्रीय भूमिका निभा रही है। इसी दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने चुनौती को और जटिल बना दिया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल झूठ को सच जैसा विश्वसनीय बनाने का औजार नहीं है, वह वास्तविक सच पर संदेह पैदा करने का बहाना भी बन सकती है। यही आधुनिक सूचना-व्यवस्था का सबसे चिंताजनक पक्ष है। इसलिए दुष्प्रचार की समस्या को केवल तथ्यों की जांच से हल नहीं किया जा सकता।

झूठ को फैलाने में कुछ सेकंड लगते हैं, जबकि उसकी जांच करने, प्रमाण जुटाने और खंडन को व्यापक जनता तक पहुंचाने में समय लगता है। डिजिटल माध्यम की यही असमान गति झूठ को शुरुआती बढ़त देती है। यदि कोई फर्जी वीडियो चुनाव के निर्णायक समय में तेजी से फैल जाए तो बाद में आने वाला स्पष्टीकरण उसके प्रभाव को पूरी तरह समाप्त कर पाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं। डिजिटल माध्यमों ने राजनीतिक दलों को अलग-अलग समूहों के लिए अलग संदेश तैयार करने की अभूतपूर्व क्षमता भी दी है।

सवाल है कि क्या इसका समाधान सोशल मीडिया पर कठोर सरकारी नियंत्रण में है! यह रास्ता भी लोकतंत्र के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। जिस माध्यम ने दुष्प्रचार की क्षमता बढ़ाई है, उसी ने सत्ता से असहमति रखने वालों को अपनी बात कहने का अभूतपूर्व अवसर भी दिया है। स्थानीय प्रश्न राष्ट्रीय बहस का विषय बन रहे हैं और वे आवाजें भी सामने आ रही हैं, जिन्हें पारंपरिक माध्यमों में पर्याप्त स्थान नहीं मिलता था।

इसलिए चुनौती तकनीक को रोकने की नहीं, बल्कि उसके साथ लोकतांत्रिक विवेक विकसित करने की है।

सोशल मीडिया साक्षरता अब लोकतांत्रिक नागरिकता की अनिवार्य शर्त बनती जा रही है। नागरिक को यह समझना होगा कि परदे पर दिखाई देने वाली सामग्री स्वयं प्रमाण नहीं होती। स्रोत क्या है, तारीख क्या है, संदर्भ क्या है और मूल सामग्री कहाँ उपलब्ध है- इन प्रश्नों की जांच अब केवल पत्रकारों की जिम्मेदारी नहीं रह गई।

आज यह बहस पर्याप्त नहीं है कि सोशल मीडिया ने राजनीति को बदला या राजनीति ने सोशल मीडिया को। दोनों ने एक-दूसरे को बदल दिया है। डिजिटल माध्यमों ने राजनीति को अधिक तात्कालिक, दुश्चप्रधान, व्यक्तिगत और चौबीसों घंटे सक्रिय बना दिया है। दूसरी ओर, राजनीति ने सोशल मीडिया को प्रचार, संगठन, मतदाता-लक्ष्यीकरण और वैचारिक संघर्ष का विशाल मैदान बना दिया है।

इस पुरे परिवर्तन में भरोसेमंद सूचना लगातार सबसे मूल्यवान और दुर्लभ संसाधन बनती जा रही है। आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अधिक सक्षम होगी। इसलिए लोकतंत्र को अगली परीक्षा केवल मतदान केंद्र पर नहीं, नागरिक के हाथ में मौजूद मोबाइल की स्क्रीन पर भी होने वाली है। लोकतंत्र को अब केवल मतदान करने वाला नागरिक नहीं, बल्कि सूचना को परखने वाला विवेकशील नागरिक चाहिए।

यदि ऐसी स्थिति पैदा हो जाए जिसमें झूठ लाखों लोगों तक पहुंच जाए और सत्य सामने आने के बाद भी उस पर विश्वास न किया जाए, तो खतरा किसी एक फर्जी वीडियो से कहीं बड़ा होगा। तब संकट सूचना तक सीमित नहीं रहेगा, वह सत्य की पहचान और उसकी विश्वसनीयता का संकट बन जाएगा।

आधुनिक डिजिटल लोकतंत्र के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती शायद यही है- नागरिक को केवल सूचना तक पहुंच देना पर्याप्त नहीं है, उसे सूचना और भ्रम, प्रमाण और प्रदर्शन, सत्य और तकनीकी छल के बीच अंतर करने की क्षमता भी देनी होगी। जब समाज सच को पहचानने की अपनी क्षमता खो देता है, तब लोकतंत्र का सबसे मजबूत आधार- जनविश्वास धीरे-धीरे क्षीण होने लगता है।

## स्वास्थ्य समाचार

### मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा लगाने से स्किन को मिलते हैं जबरदस्त फायदे

स्किन की परेशानियों से बचने और हेल्दी बनाए रखने के लिए आपको नियमित रूप से इसकी सही देखभाल करने की जरूरत होती है। स्किन पर होने वाले दाग-धब्बे, मुंहासे और झुर्रियां से बचने के लिए मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। स्किन पर मुल्तानी मिट्टी लगाने से स्किन का रंगो बढ़ता है और कई दूसरे फायदे मिलते हैं। मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा में मौजूद गुण झड़ झड़ स्किन की समस्या से जुड़ा रहें लोगों

के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। इसका इस्तेमाल स्किन को सॉफ्ट और चमकाकर बनाने में भी मदद करता है। अक्सर दाने, खुजली और जलन आदि की समस्या से ग्रसित रहने वाले लोगों के लिए भी इसका इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का इस्तेमाल करने के फायदे और तरीका। एलोवेरा और मुल्तानी मिट्टी में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं जो स्किन को बेहतर बनाने के लिए बहुत उपयोगी होते हैं।



#### स्किन का रंगो बढ़ाएं

स्किन का रंगो बढ़ाने और दाग-धब्बों को दूर करने के लिए मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद गुण स्किन को चमक बढ़ाते हैं और स्किन को सॉफ्ट बनाने का काम करते हैं।

#### मौइस्चराइज करने में फायदेमंद

एलोवेरा में मौजूद म्युकोपॉलीसैकेराइड स्किन की नमी बनाए रखने में बहुत उपयोगी होता है। मुल्तानी मिट्टी के साथ एलोवेरा जेल मिक्स करने स्किन पर लगाने से आपको स्किन का सॉफ्टनेस बनी रहती है।

#### एक्ने और मुंहासे से छुटकारा

स्किन पर मौजूद मुंहासे और एक्ने आदि की समस्या से छुटकारा पाने के लिए मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। एंटी-एक्ने गुण आपको स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

#### दाग-धब्बों को हटाने में उपयोगी

स्किन पर मौजूद दाग-धब्बों को दूर करने के लिए मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा के फेस पैक का इस्तेमाल करने से दाग-धब्बे दूर होते हैं।

#### एंटी-एजिंग

बढ़ती उम्र के कारण स्किन पर होने वाले प्रभावों से बचने के लिए मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद एंटी-एजिंग गुण झुर्रियों को दूर करने और चेहरे का रंगो बढ़ाने में फायदेमंद होते हैं।

### जोड़ों और हड्डियों में दर्द क्यों होता है? इसके यह कारण

बढ़ती उम्र में अधिकतर लोगों को जोड़ों के दर्द से परेशान होना पड़ता है। यह हड्डियों की कमजोरी, शरीर में पोषक तत्वों की कमी की वजह से हो सकता है। अधिक उम्र में हड्डियों और जोड़ों में दर्द होना बेहद आम है। लेकिन आजकल अधिकतर लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों और हड्डियों का दर्द परेशान कर रहा है। आजकल कम उम्र में ही लोगों को जोड़ों में दर्द, अकड़न आदि का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में व्यक्ति को काफी दिक्कतों का अनुभव करना पड़ सकता है। जोड़ों और हड्डियों का दर्द आपके दैनिक कार्यों को भी प्रभावित कर सकता है।

**शरीर में मिनरल्स की कमी** : अगर आपके शरीर में विटामिन और मिनरल्स की कमी है, तो आपको जोड़ों और हड्डियों के दर्द से परेशान होना पड़ सकता है। हड्डियों के लिए कैल्शियम, विटामिन डी जैसे पोषक तत्व बहुत जरूरी होते हैं। ऐसे में जब इन विटामिन और मिनरल्स की कमी होती है, तो आपको हड्डियों और जोड़ों में दर्द हो सकता है। कैल्शियम और विटामिन डी की कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन सकता है। इस स्थिति में आपको गंभीर दर्द का अनुभव करना पड़ सकता है।



**इंफेक्शन** : अगर हड्डियों में कोई इंफेक्शन या संक्रमण होता है, तो इस स्थिति में व्यक्ति को ऑस्टियोमाइलाइटिस नामक बीमारी हो सकती है। इस स्थिति में हड्डी की कोशिकाएं मर सकती हैं। दरअसल, जब हड्डियों में इंफेक्शन होता है, तो बोन सेल्स डैमेज हो सकते हैं। ऐसे में आपको हड्डियों और जोड़ों में दर्द हो सकता है। इसलिए अगर आपको हड्डियों

में तेज दर्द है, तो एक बार डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करें।

**टेंडिनटिस** : यह एक समस्या है, जिसमें हड्डी और मांसपेशियों को जोड़ने वाली लचीले बैंड में सूजन आ जाती है। यह सूजन दर्दनाक हो सकती है। कोहलियाँ, एड्रियो और कंधों पर इसे अधिक मामलों में देखा जा सकता है। टेंडिनटिस आपको अधिक परेशान कर सकता है।

**रूमेटाइड आर्थराइटिस** : रूमेटाइड आर्थराइटिस एक पुरानी बीमारी है। इसमें जोड़ों में सूजन हो जाती है, इसकी वजह से व्यक्ति को गंभीर दर्द हो सकता है। इसके अलावा गाउट भी जोड़ों में हड्डियों में दर्द पैदा कर सकता है। गाउट में शरीर में क्रिस्टल इकट्ठा हो जाते हैं। इसकी वजह से जोड़ों और हड्डियों में गंभीर सूजन और दर्द हो सकता है।

#### इंजरी या चोट लगना

कई मामलों में चोट लगना भी जोड़ों और हड्डियों में दर्द का एक आम कारण हो सकता है। यह दर्द आपके गिरने, चोट लगने, एक्सीडेंट होने या फिर फ्रैक्चर होने पर हो सकता है। दरअसल, जब चोट लगने पर हड्डी को नुकसान पहुंचता है, तो इस स्थिति में दर्द का अनुभव हो सकता है।

#### ल्यूकेमिया

ल्यूकेमिया बोन मैरो का कैंसर है। बोन मैरो अधिकतर हड्डियों में पाया जाता है। बोन मैरो बोन सेल्स के उत्पादन में अहम भूमिका निभाता है। जिन लोगों को ल्यूकेमिया होता है, उन्हें अक्सर हड्डियों और जोड़ों के दर्द का अनुभव करना पड़ सकता है।

### रात में दूध में मिलाकर पिएं बादाम का तेल, सेहत को मिलेंगे ये फायदे

दूध एक ऐसा फूड है, जिसका सेवन अगर आप अन्य फूड के साथ करते हैं या कुछ इसमें कुछ मिलाकर लेते हैं, तो इसके लाभ और भी बढ़ जाते हैं। साथ ही इससे अन्य फूड्स के लाभ भी शरीर को बेहतर तरीके से मिल पाते हैं। आपने अक्सर लोगों को दूध के साथ ड्राई-फ्रूट्स या नट्स का सेवन करते देखा होगा। यहाँ तक कि अगर आप किसी फूड को पाउडर के रूप में लेते हैं या कोई हेल्थ सप्लीमेंट लेते हैं तो हेल्थ एक्सपर्ट्स दूध के साथ ही इनका सेवन करने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आपने कभी दूध में बादाम का तेल मिलाकर इसका सेवन किया है?

**सेहत के लिए कैसे फायदेमंद हैं दूध में बादाम का तेल** : इस तरह अगर आप दोनों ही फूड्स का सेवन करते हैं, तो इससे न सिर्फ दूध के स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं, बल्कि बादाम का पोषण भी मिलता है। बहुत से लोगों के साथ यह समस्या होती है कि बादाम का सीधे तौर पर सेवन करने से उन्हें खराब पाचन, अपच या अन्य घाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। इसके अलावा लोगों को बादाम भिगोकर, छीलकर खाना भी काफी उबाऊ लगता



है। ऐसे में या तो वे बादाम का सेवन करना बंद कर देते हैं, या इसके स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने के अन्य तरीके ढूँढने में लगे रहते हैं। लेकिन दूध में बादाम का तेल (शुद्ध बादाम रोगन) मिलाकर पीने से आपको बादाम से मिलने वाला पोषण भी मिलता है, साथ ही इसके लाभ भी। साथ ही इसका सेवन भी आसानी से किया जा सकता है। यह कॉम्बिनेशन सेहत को जबरदस्त फायदे प्रदान करता है।

**शरीर को मिलता है पर्याप्त पोषण** : अगर आप दूध में सिर्फ 1 चम्मच बादाम रोगन मिलाकर पीते हैं, तो इससे शरीर की पोषण की जरूर पूरा करने में मदद

मिलती है। दूध और बादाम तेल दोनों में ही कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी, डी, ई, मैग्नीशियम, जिंक, पोटैशियम आदि की प्रचुर मात्रा होती है। यह आपकी शरीर कमजोरी दूर करने और गंभीर बीमारियों के जोखिम को भी कम करने में मदद करता है।

**हीं होती होती हैं पेट से जुड़ी समस्याएं** : जैसी कि हम सभी जानते हैं बादाम को पचा पाना सभी के लिए आसान नहीं होता है। लेकिन बादाम तेल शरीर में आसानी पच और अवशोषित हो जाता है। दूध में बादाम तेल मिलाकर पीने से पाचन को बेहतर बनाने में मदद मिलती है और पेट संबंधी समस्याओं से बचाव होता है।

**दिमाग को रखे हेल्दी** : बादाम तेल हेल्दी फैट्स और कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो मस्तिष्क को कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं। वहीं दूध में भी विटामिन डी, प्रोटीन और कैल्शियम आदि प्रचुर मात्रा में होते हैं। जिससे यह कॉम्बिनेशन आपकी मस्तिष्क को स्वस्थ रखने और ब्रेन फंक्शन को बेहतर बनाने में मदद करता है।



#### मेघ

नए कार्य में लाभ मिलेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साधियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेरय मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोकूल लाभ देंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आत्मसम्मान बना रहेगा।



#### वृष

चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़े। दुश्मन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।



#### मिथुन

विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएँ। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आज नए कार्य में लाभ मिलेगा।



#### कर्क

झूठी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यवसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति बनी रहेगी।



#### सिंह

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी। रात का पराभव होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।



#### कन्या

कानूनी अड़बट दूर होकर स्थिति मनोकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में वेन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। जलबाजी न करें।



#### तुला

बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से वलेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। घर में तनाव रह सकता है।



#### वृश्चिक

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जलबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है, लाभ लें। घर-बाहर सभी ओर से सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।



#### धनु

स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पार्टनरों से महबेद दूर होंगे। जलबाजी में कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।



#### मकर

रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर सभी ओर से सफलता तथा प्रसन्नता प्राप्त होगा।



#### कुंभ

विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। नए कार्य में बर्बने। कारोबार में लाभ बढ़ेगा। नौकरी में माहौल का सहयोग कम मिलेगा। कार्य की अधिकता रहेगी। जलबाजी न करें।



#### मीन

मेहनत का फल पुरा-पुरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। आय अनुकूल रहेगा। रुके कार्य पूरे होंगे। प्रसन्नता रहेगी।



# बीकानेर जाएं तो इतिहास, परंपरा और संगीत के साथ इन डिशेज का भी लें आनंद

राजस्थान भारत का एक ऐसा राज्य है जो खुद में इतिहास, परंपराएं, रंग, संगीत, कला, प्रथा, वीरगाथा और स्वाद समेटे हुए है। इस राज्य के किसी भी हिस्से में जाएंगे तो वहां एक नया स्वरूप और रंग के अलग-अलग और स्वादिष्ट व्यंजनों का जायका लेने का मौका मिलेगा। ऐसा ही शहर है बीकानेर जहां के प्रसिद्ध बीकानेरी भुजिया की तुलना दुनिया में कहीं नहीं हो सकती। इतिहास प्रेमियों और संस्कृति के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक केंद्र, बीकानेर हमेशा पर्यटकों का पसंदीदा रहा है। अपने महान आतिथ्य और शिष्टाचार के लिए जाना जाने वाला यह शहर कई स्वादिष्ट भोजनालयों से युक्त है, जो कुछ एक सदी से भी अधिक पुराने हैं। चाहे यहां रॉयल ब्रेकफास्ट हो या फिर चाय के लिया जाने वाला स्नैक।

## खस्ता

कचौरी से आकार में थोड़ा बड़ा, खस्ता एक ऐसी चीज है जो सभी बीकानेरियों की पसंद है। खस्ता का शाब्दिक अर्थ होता है परतदार, जिसे स्नैक के रूप में लिया जा सकता है। बीकानेर का यह खस्ता मसालेदार दाल से भरा होता है। इसे अक्सर स्वादिष्ट आलू करी की एक प्लेट के साथ परोसा जाता है, यह सुबह के नाश्ते के साथ-साथ शाम के नाश्ते के रूप में खाया जा सकता है। पूरे शहर में इस मुंह में पानी लाने वाले नाश्ते की पेशकश करने वाले कई छोटे-छोटे स्टॉल मिल सकते हैं। इसके ऊपर चटनी, प्याज, टमाटर, दही और सेव डालना एक अच्छी टिप होगी।

## गट्टे की सब्जी

राजस्थान मसाले और घी के लिए जाना जाता है। गट्टे की सब्जी एक ऐसी डिश है जिसको खाने के बाद आपको इसे बार-बार खाने का मन करेगा। बेसन से बना यह व्यंजन दो रूपों में उपलब्ध है- सूखा और करी। दही-आधारित ग्रेवी में गट्टा या उबले हुए बेसन के पकौड़े होते हैं। इस डिश की यूएसपी इसकी सद्गी में निहित है।

## लाल मास

अगर आप नॉन वेजिटेरियन हैं तो आपको बीकानेर के लाल मास को जरूर चखना चाहिए। गर्म और मसालेदार लाल मास सीधे आपको शाही रसोई की याद दिलाएगा। लाल मास (मथानिया मिर्च) के साथ दही-आधारित ग्रेवी में तैयार एक मटन करी है, जो हर नॉन वेजिटेरियन का फेवरेट होता है। परंपरागत रूप से, जंगली सुअर या हिरण (शाही शिकार के बाद पकड़े गए) का उपयोग करके ये पकवान तैयार किया गया था, लेकिन आज, मटन मास भी इसका विकल्प है।



लोकप्रिय धारणा के अनुसार, मारवाड़ी सख्त शाकाहारी होते हैं, हालांकि, लाल मास मारवाड़ी व्यंजनों को परिभाषित करता है। लाल मास के खास अंदाज में सरसों के तेल का उपयोग कर तैयार किया जाता है। तैयारी के दौरान, चारकोल के जलते हुए टुकड़े के साथ एक कटोरी, लौंग और स्पष्ट मक्खन के साथ भिगोकर ऊपर रखा जाता है और बर्तन को बंद कर दिया जाता है, जिससे चारकोल से निकलने वाला यह धुआं मास की सुगंध और स्वाद को बढ़ाता है। यह शाही व्यंजन राजपूत योद्धाओं द्वारा शिकार और मांस खाने की समृद्ध विरासत का प्रमाण है।

## केसर फिनी

ऐसा माना जाता है कि पारंपरिक राजस्थानी हलवाई के अलावा इस व्यंजन को दोहराना लगभग असंभव है। केसर के स्वाद वाली यह मिठाई कुछ हद तक देसी कॉटन कैंडी की तरह लगती है और आपके मुंह में जाते ही तुरंत पिघल जाती है। चावल के आटे और घी के साथ बनाया गया और चीनी की चाशनी में भिगोया हुआ, ऊपर से सुनहरा पीला रंग केसर



और इलायची की मदद सुगंध के साथ मिलाकर इसे अनूठा बनाया जाता है। इस डिश को एक कटोरी गर्म दूध के साथ परोसा जाता है, साथ ही रबड़ी की टॉपिंग के साथ भी इसका आनंद लिया जा सकता है।

## बीकानेरी भुजिया

बीकानेर के रियासत और स्वाद के बारे में बात करते हुए प्रिय बीकानेरी भुजिया जिंक ना करना अपराध जैसा होगा। यह व्यसनी स्नैक आज पूरे भारत में बनाया जाता है, लेकिन जो चीज बीकानेरी भुजिया को अलग करती है, वह है मुख्य सामग्री- पिंसी हुई मोथ दाल, विशेष रूप से बीकानेर और जोधपुर में पाई जाने वाली फसल। आज लगभग सभी भारतीय डिश को कॉम्प्लीमेंट करती ये बीकानेरी भुजिया को मिस करना मुश्किल है।

## रसगुल्ला

रसगुल्ला सुनकर आप सोच रहे होंगे कि ये तो बंगाल की मिठास है। लेकिन अपनी हलवाई संस्कृति के लिए जाना जाने वाला शहर बीकानेर रसगुल्लों में भी ऐसा स्वाद देता है जो इसे दूसरों से अलग बनाते हैं।

# झीलों के शहर उदयपुर जाएं तो इन दुकानों पर चखें स्थानीय भोजन का स्वाद

झीलों के शहर उदयपुर में जाना हर एक ट्रैवेलर का सपना है। यहां की सुंदर शांत झील पिछोला के आसपास हवा में एक अचूक आकर्षण और रोमांस है। शहर की लगभग सभी पगड़ियां यहां से जाती हैं और झील के चारों ओर बसे शहर के लक्जरी होटल यहां आने वालों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। पिछोला लेक में नाव की सवारी करते हुए सूर्यास्त होते देखना बेहद मनमोहक है। उदयपुर के महल के होटल राजस्थान में सबसे शानदार हैं। इसके शानदार बैक्वेटिंग हॉल और झील के दृश्यों के साथ ताज फतेह प्रकाश पैलेस है। इसके अलावा ताज लेक पैलेस है, जो पिछोला झील के केंद्र में स्थित है भारत के सबसे रोमांटिक होटलों में से एक है। 1740 के दशक में निर्मित, यह उदयपुर रॉयल्स का पूर्ववर्ती ग्रीष्मकालीन महल था। होटलों के अलावा यहां का स्थानीय भोजन भी अद्भुत है।



## कचौरी

यहां के गरमा-गरम कचौड़ियों का लुत्फ उठा सकते हैं। पालीवाल सुबह स्थानीय लोगों और पर्यटकों की एक कतार के साथ जीवंत हो उठता है। इसके अलावा इनकी स्वादिष्ट जलेबियों के लिए भी यहां लंबी कतार लगती है। पालीवाल रेस्तरां, जगदीश मंदिर रोड, पुराना शहर पर है।

## मिठाईयां

अगर आप मीठा खाने के शौकीन हैं, तो उदयपुर के पास बहुत कुछ है। कई मिठाई की दुकानें हैं जहां बेहतरीन घेवर मिलते हैं। कुछ दुकानें ऐसी हैं जो शानदार मूंग दाल हलवा परोसते हैं। स्थानीय लोग के पसंदीदा मिठाई में यहां संगम बर्फी मिलती है, जो पिस्ता की परत के साथ एक स्वादिष्ट तीन परत वाली मिठाई है। इसके साथ नारंगी स्वाद वाली मीठी बूंदी को भी जरूर चखना चाहिए। जेएमबी स्वीट्स (जगदीश मिश्रान भंडार), सुरजपोल पर स्थित है।

## फाल्दा

शक्तिनगर में फाल्दा मिलता है और यहां के स्थानीय लोग उन्हें नीले तेलवाला के नाम से जानते हैं। उन्हें करमचंदजी फाल्दे वाला के नाम से भी जाना जाता है। इस क्षेत्र में कई स्टॉल लोकप्रिय हैं। अन्य लोकप्रिय फाल्दा अड्डा अशोक नगर में सिंधी फाल्दा जॉइंट है जो एक शानदार केसर पिस्ता फल्दा परोसता है।

## लस्सी

शास्त्री स्वीट्स में फुली लोडेड लस्सी मिलती है, जिसे भोजन के बाद जरूर लेना चाहिए। यह लस्सी उन सभी मसालेदार कचौरी और चाट के लिए एकदम सही है जिन्हें आप पचा सकते हैं। इसके अलावा बाबा बाजार रोड पर वासुदेव दूध भंडार से आप रबड़ी खा सकते हैं। यह सभी चीजें आपको शास्त्री सर्किल पर मिल जाएंगी।

## समोसे

उदयपुर में सबसे अच्छे समोसे के लिए पूछेंगे को आपको चुंडावत की समोसे की ओर इशारा किया जाएगा। अपने समोसे के लिए सबसे प्रसिद्ध, जो आमतौर पर दोपहर तक खत्म हो जाते हैं, चुंडावत का अनोखा मसाला मिश्रण उनके समोसे को सभी से अलग करता है। इसे आप नाश्ते में ले सकते हैं।

## दाल बाटी चूरमा

अगर आप एक ही बार में कई व्यंजनों का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो, छप्पन बोग में आप उदयपुर की लोकप्रिय दाल बाटी को चूरमा को आजमाना सकते हैं। तो फतेहपुरा में छप्पन बोग एक बेहतरीन विकल्प है। आपको वहां खाली पेट जाना होगा और अपना कैलोरी कार्डेंटर घर पर छोड़ना होगा, तभी आप दिल खोलकर दाल बाटी का आनंद ले सकेंगे। यह दुकान बिग बाजार रोड, फतेहपुरा पर स्थित है।

# ये हैं भारत की सबसे खतरनाक सड़कें इतनी ऊंची हाइट पर गाड़ी चलाने के लिए चाहिए पत्थर वाला कलेजा



हर किसी को घूमने-फिरने का शौक होता है। किसी को लज्जरी जैसी जगहों पर जाने की इच्छा होती है, तो कोई खतरनाक एडवेंचर के लिए जाना चाहता है। वहीं कुछ लोगों को लॉन्ग ड्राइव पर भी जाना काफी अच्छा लगता है, रास्तों का सफर पूरे ट्रिप को यादगार पल दे देता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि भारत में कुछ ऐसे रास्ते भी हैं, जिन्हें देश के सबसे खतरनाक सड़कों में गिना जाता है, जहां एक छोटी गाड़ी चलाने में ही ड्राइवर का दिल दहल जाता है। अगर आप भी इन जगहों पर जा रहे हैं, तो पहले जान लें कहीं आपका भी रास्ता इन्हीं सड़कों से तो नहीं गुजरेगा।

## जोजिला दर्रा कारगिल, लद्दाख

3000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर मौजूद, जोजिला दर्रा लद्दाख और कश्मीर के बीच पड़ता है। यह भारत की सबसे खतरनाक सड़कों में से एक है, जिसका रास्ता इतना पतला है और फिसलन भरा है कि पैदल चलने वाले व्यक्ति को भी वहां से गुजरने में डर लगे। बारिश के मौसम में तो यहां सड़क की हालत काफी खराब रहती है और उस दौरान सबसे ज्यादा लैंडस्लाइड देखने को मिलती है।

## हिंदुस्तान तिब्बत हाईवे, स्पीति घाटी

स्पीति घाटी की सड़क रोमांच से भरी हुई है, ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र का उबड़-खाबड़ इलाका इसे दुनिया की सबसे जोखिम भरी सड़क बना देता है। हिमालय की ऊंचाई वाले क्षेत्र में स्थित हिंदुस्तान तिब्बत हाइवे देश की खतरनाक सड़कों में आता है। यहां बस का टायर मानों पहाड़ों से झूल रहा होता है, लेकिन फिर भी जिन लोगों को खतरों से खेलने का शौक है, वो अक्सर इस जगह से गुजरते हुए नजर आते हैं।

## टैंगलांग ला दर्रा, लेह लद्दाख

टैंगलैंग ला या तांगलांग ला भारतीय केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 5,328 मीटर की ऊंचाई पर एक ऊंचाई वाला



पर्वतीय दर्रा है। सितंबर 2018 तक उश्ची से तांगलांग ला तक दक्षिण की ओर जाने वाला लेह-मनाली हाइवे अब पक्का हो गया है, लेकिन दर्रे के उत्तरी हिस्से में एक बहुत ही छोटा कच्चा क्षेत्र अभी भी है। यहां से जाने में लोगों की सांसे रुक जाती हैं।

## लेह मनाली हाईवे, लद्दाख

लेह-मनाली हाइवे लद्दाख की राजधानी लेह को हिमाचल प्रदेश राज्य में मनाली से जोड़ता है। ये उत्तरी भारत में 428 किमी लंबा हाइवे है, जहां के रास्ते देखकर शायद आप उन्हें सपने में भी देखना पसंद नहीं करेंगे। खूबसूरत लेकिन खतरनाक सड़क मनाली की सोलांग घाटी को हिमाचल प्रदेश में लाहौल और स्पीति घाटियों और लद्दाख में जॉस्कर घाटी से जोड़ती है।

## कोल्लो हिल्स रोड, नमकल

तमिलनाडु में कोल्लो हिल्स रोड पर पतली हेयरपिन जैसे 70 मोड़ हैं, ये सड़क कल्पननैकनपट्टी से शुरू होती है। कोल्लो मलाई को लोकप्रिय रूप से डेथ मार्डेटेन भी कहा जाता है, क्योंकि सड़क में आपको कई गड्ढे हैं और रास्ता तो इतना संकरा है कि सामने से आने वाली गाड़ी को सही से जाने के लिए आपको खुद की गाड़ी रोकनी पड़ेगी।

# मनाली की इन जगहों पर भी है भूतों का डेरा, जाएं तो हमेशा दिल थामकर ही करें घूमना-फिरना

मनाली अपनी खूबसूरत जगहों के लिए जाना जाता है, यहां बसे मजेदार प्लेसेस न केवल फैमिली को पसंद आते हैं, बल्कि हनीमून मनाने वालों के बीच भी काफी फेमस है। अगर आप घूमने-फिरने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो एक बार उन जगहों के बारे में भी जान लें, जो अपनी भुलिया जगहों के लिए जानी जाती हैं। जी हां, मनाली में भी ऐसी कई जगहें हैं, जहां भूतों और आत्माओं का बसेरा होता है। यहां रहने वाले लोग तो जाने से भी डरते हैं।

**नगगर महल** : मनाली के रास्ते में नगगर रोड पर ये छोटा महल जैसी संरचना देख सकते हैं। अंग्रेजों के जमाने में इस महल में राजा और रानी रहते थे। लोकप्रिय टूरिस्ट प्लेस होने की वजह से यहां दिन के दौरान कई लोग घूमने के लिए आते हैं, लेकिन रात में ये जगह लोगों के लिए उतनी ही डरावनी हो जाती है। शाम के समय, पर्यटकों ने अजीब फुसफुसाहट और शोर सुना है। दिन दौरान तो यहां कुछ अजीबोगरीब घटनाएं होती हैं, लेकिन स्थानीय

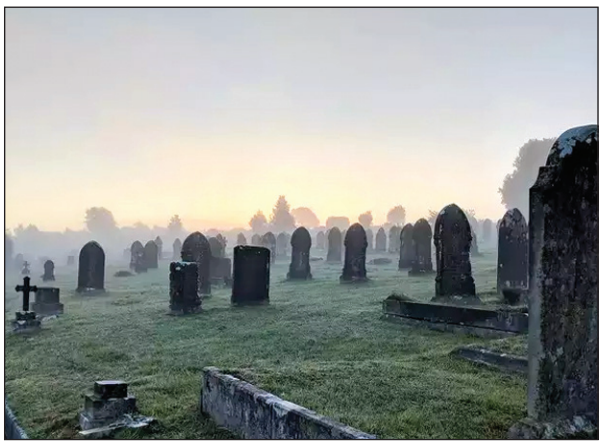


लोगों के अनुसार यहां मौजूद आत्माएं शांत हैं, जो किसी को नुकसान नहीं पहुंचाती।

**मनाली के गाटा लूप्स पर भूतों का मंदिर** : गाटा लूप्स से गुजरते समय, 19वें मोड़ पर सड़क के किनारे पत्थर की एक छोटी सी संरचना के बाहर मिनरल वाटर की बोतलें और सिगरेट के कई पैकेट बिखरे हुए दिख जाएंगे। देखकर आप यही कहेंगे, आखिर ये सब क्या है इस जगह से जुड़ी एक पुरानी कहानी है, साल 1999 में

एक ट्रक ड्राइवर और कंडक्टर आत्माएं शांत हैं, जो किसी को नुकसान नहीं पहुंचाती।

**कसौली चंडीगढ़ का पास का कश्मिरान** : कसौली चंडीगढ़ का पास का हिल स्टेशन है और



एक सेना छावनी क्षेत्र भी है। ज्यादातर लोग यहां वीकेंड पर घूमने-फिरने के लिए आते हैं। लेकिन इस छोटे से शहर में एक प्रेतावाधित कश्मिरान है। कई लोगों ने तो रात में भूतों को कश्मिरान में घूमते हुए देखा है। उन्होंने ऐसी अस्पष्ट आवाजें भी सुनी हैं, जिन्हें आप सपने में भी नहीं सुनना चाहेंगे। चीखने-चिल्लाने की आवाजें, महिलाओं और बच्चों की आवाजें, जैसी गतिविधि यहां होती रहती हैं।

## चुडेल बाउदी

चुडेल बावड़ी एक सड़क जंक्शन है जो छोटा शिमला को शिमला राजमार्ग से जोड़ता है। कहते हैं कि यहां सफेद कपड़े पहनी महिला की आत्मा को देखा जा सकता है, जो लोगों से लिफ्ट मांगती है। लोगों का मानना ​​है कि अगर आप इस भूत को मदद करने से मना कर देते हैं, तब भी वो आपको कार में बैठी हुई दिखाई देगी और आपको कार चलाने से भटकाएगी।

# बहुत हुआ ऋषिकेश और मसूरी, अब शॉर्ट ट्रिप के लिए इन जगहों पर करें विजिट

**अमृतसर** : स्वर्ण मंदिर जाने के लिए यह सबसे सुंदर मौसम है। यहां स्वर्ण मंदिर के दर्शन करने के साथ ही आप वाघा बॉर्डर पर बहुचर्चित बीटिंग रिट्रीट में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा अमृतसर में पार्टीशन म्यूजियम और जलियांवाला बाग भी है, जिससे आपको इतिहास पन्नों को पलटने का मौका मिलेगा। साथ ही, असली पंजाबी खाना, जिसे सोचते ही मुंह में पानी आ जाता हो उसका भी लुत्फ उठा सकेंगे।

**चकराता** : सुंदर हाईलैंड रिजॉर्ट चकराता हर बैंकपैकर की ट्रिप विशालिस्ट में जरूर होता है। आप इस लॉन्ग वीकेंड शॉर्ट ट्रिप से जो कुछ भी चाहते हैं, उसके लिए चकराता एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है।



यहां राफ्टिंग, पहाड़ों की शांति, खूबसूरत सनसेट और साफ सुथरी हवा से भरा वातावरण वो सबकुछ है, जिसके लिए भाग दोड़ की ज़िंदगी में आपको क्रेविंग होती है। यहां के प्रसिद्ध टाइगर फॉल्स पर चढ़ा जा सकता है,

बुधेर गुफाओं के पास घूमा जा सकता है और कानासर में कैपिंग की जा सकती है। **परवाणू** : यह प्यारा शहर दिल्ली से 5 घंटे की ड्राइविंग कर चंडीगढ़-शिमला मार्ग पर स्थित है। आराम करने और खुद को रीवाइव करने के लिए यह एक असामान्य जगह है। कोई टिम्बर ट्रेल के साथ टहल सकता है और पर्यावरण की सुंदरता को जी सकता है, तो कोई इतिहास प्रेमी गोरखा किले की शाही विरासत की खोज कर सकते हैं। केबल कार की सवारी से हिमालय का लुभावना दृश्य दिखाई देता है। फलों के बगीचे और मर्मरम क्षेत्रीय भोजन भी यहां उपलब्ध हैं।

**बिनसर** : बिनसर नैनीताल, मसूरी, शिमला, या किसी अन्य विशिष्ट शहर से परे

पहाड़ों में छिपा हुआ एक रत्न है। बिनसर, जिसे कुमाऊँ क्षेत्र का अंतिम गढ़ भी कहा जाता है, यहाँ खोजने के लिए बहुत कुछ है। काल्पनिक जंगल में जाने के लिए प्रसिद्ध जीरो पॉइंट, बिनसर वन्यजीव अभयारण्य, कसार देवी मंदिर समेत कई अन्य स्थान भी पास में हैं।

## पंगोट

पंगोट बस्ती अपने घने जंगलों के लिए विख्यात है। यहां भी खुद ड्राइव कर के पहुंच सकते हैं। यहां के घने जंगलों में 300 से अधिक विभिन्न पक्षी प्रजातियां हैं, साथ ही लुभावनी लंबी पैदल यात्रा के रास्ते हैं जो कार्बेट नेशनल पार्क की ओर ले जाते हैं।



### खनीपुरा खेल एकेडमी ने राज्य स्तरीय वुशु प्रतियोगिता में जीते 5 पदक



निख

**श्रीमाधोपुर ( नवयत्न )।** श्रीगंगानगर में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय स्कूली छात्र-छात्रा वुशु प्रतियोगिता में खनीपुरा निःशुल्क स्पोर्ट्स एकेडमी के खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित कुल 5 पदक जीतकर सीकर जिले का नाम रोशन किया है। छात्र वर्ग में खनीपुरा खेल मैदान के यश कुमार सेन ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, 56 किग्रा में नवीन यादव ने रजत पदक, 60 किग्रा में देवराज टेलर ने कांस्य पदक जीता। छात्रा वर्ग में 45 किलोग्राम भार वर्ग में शिक्षा यादव ने कांस्य पदक व 48 किलोग्राम भार वर्ग में गायत्री पुनिया ने नवीन यादव ने रजत पदक, 60 किग्रा में देवराज टेलर ने कांस्य पदक जीता। विजेता दल के लौटने पर एकेडमी में ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों द्वारा मिठाई खिलाकर व माल्यार्पण कर पदक विजेता खिलाड़ियों व प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी समीर मुंडेतिया, जीतेन्द्र नायक, यशवंत सिंह मंगवा, हिमांशु मीना का स्वागत किया गया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षक सतवीर सामोता, नगर पालिका के पार्षद अशोक कुमार सैनी, खनीपुरा विकास सेवा समिति के अध्यक्ष श्रवण यादव, उपाध्यक्ष बाबूलाल यादव, फूलचंद यादव, सुनील पूनिया, मुखलीधर मंगवा, अध्यापक गोगाराज जांगिड़, प्रधानाध्यापिका हंसा सामोता, अध्यापिका बबोता चौधरी, अंजू, तीजा सैनी, पूनम मौर्य सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी यश कुमार सेन, श्रीनगर में 14 से 18 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय वुशु मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर पार्षद अशोक कुमार सैनी ने कहा है कि नगर पालिका की तरफसे जल्दी ही खिलाड़ियों को और बेहतर सुविधाएं खेल मैदान पर उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि खिलाड़ी राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन कर सकें।

### शिकायत पोर्टल बनाने वाली गोपालपुरा बनी देश की पहली पंचायत



अमित प्रजापत

**सुजानगढ़ ( नवयत्न )।** निकटवर्ती ग्राम पंचायत गोपालपुरा में द्रोणाचल वेबसाइट को प्रशासक सविता राठी द्वारा लॉन्च किया गया। राठी ने बताया कि जागरूक पंचायत के तहत प्रत्येक ग्रामवासी को शिकायत के समाधान का हक दिया गया है। इस पोर्टल में कोई भी ग्रामीण अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है, जिसका समाधान तीन लेवल पर अलग अलग विभागवार किया जाएगा। उक्त पोर्टल पर केंद्रीय तथा राज्य लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध रहेगी। ग्रामीण पर्यटन पटल पर तेजी से उभरते गोपालपुरा की तस्वीर भी इस पर देखी जा सकेगी। एलडीसी ज्योति कच्छवा ने बताया कि कोई भी सकारात्मक पहल उज्ज्वल भविष्य को संवारती है। ग्राम विकास अधिकारी प्रवीण कुमार ने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण पंचायत से जुड़ सकेंगे। ग्रामीण महिलाओं ने इस पहल का स्वागत किया। विक्लम, प्रकाश, तिलोकाराम, धर्माराम, दीपचंद गिलड़ा, बाबूलाल, भंवरलाल आदि युवाओं में उत्साह नजर आया। प्रकाश स्वामी पंच ने कहा कि इस नवाचार से पंचायत राज की मजबूती दिखाई देती है। सविता राठी ने कहा कि पिछले एक साल से इस पोर्टल पर मेहनत की गई, जिसके परिणाम में आज इसको लॉन्च किया जा सका है। उप प्रशासक गणपत दास स्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 2047 के नए भारत का सशक्त कदम है।

### सांप्रदायिक सद्भाव से मजबूत होगा समाज, मानवता को दें सर्वोच्च स्थान अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह का तीसरा दिन सद्भावना दिवस के रूप में मनाया



श्रीराम तिवड़ी

**नोखा ( नवयत्न )।** अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अंतर्गत तीसरे दिन को सांप्रदायिक सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों एवं समुदायों के बीच प्रेम, भाईचारे, सहिष्णुता और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक एकता और शांति के लिए सद्भावना एवं परस्पर सम्मान आवश्यक है। कार्यक्रम के मुख् वक्ता नदीम अहमद नदीम ने कहा कि समाज की मजबूती आपसी सद्भाव और विश्वास पर निर्भर करती है। धर्म एवं विचारों की विविधता हमारी सामाजिक शक्ति है। उन्होंने कहा कि भेदभाव और संकीर्ण सोच से ऊपर उठकर मानवता को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। आचार्य तुलसी के अणुव्रत संदेश का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह व्यक्ति के आचरण में नैतिकता तथा समाज में सौहार्द स्थापित करने की प्रेरणा देता है। इंद्रचंद्र वैद कविराज ने कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव केवल किसी एक आयोजन तक सीमित रहने वाला विषय नहीं, बल्कि इसे दैनिक जीवन में संस्कार के रूप में अपनाने की जरूरत है। प्रत्येक व्यक्ति यदि दूसरे धर्म, भाषा और विचारों का सम्मान करे तो समाज में शांति, प्रेम और विश्वास का वातावरण निर्मित हो सकता है। उन्होंने अणुव्रत के सिद्धांतों को सामाजिक समरसता का प्रभावी माध्यम बताया। कार्यक्रम में अणुव्रत समिति अध्यक्ष रमेश कुमार व्यास ने अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के दौरान आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए अतिथियों एवं आगंतुकों का स्वागत किया। मंत्री गजेंद्र पारख ने आधार व्यक्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष हंसराज भूरा, पूर्व अध्यक्ष मनोज घीया, महावीर नाहटा, संदीप चौरडिया, रोहित संचेती, अरुण भूरा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थितजनों ने सांप्रदायिक सद्भाव, मानवता, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

# नोखा जिला अस्पताल के टॉयलेट में करीब छह माह का भ्रूण मिलने से मचा हड़कंप

श्रीराम तिवड़ी

**नोखा ( नवयत्न )।** बीकानेर जिले के नोखा स्थित जिला अस्पताल में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब अस्पताल परिसर में लैब के सामने बने टॉयलेट में सफाईकर्मियों को करीब पांच से छह माह का भ्रूण पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची तथा मामले की जांच शुरू कर दी गई। जानकारी के अनुसार शनिवार को अस्पताल में नियमित सफाई कार्य के दौरान सफाईकर्मियों को नजर टॉयलेट में पड़े भ्रूण पर गई। भ्रूण को देखकर सफाईकर्मि घबरा गए और उन्होंने तत्काल अस्पताल के डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ को

इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की गंभीरता को देखते हुए नोखा पुलिस को भी अवगत कराया गया।

### पुलिस ने मौके पर पहुंचकर किया निरीक्षण

घटना की सूचना मिलने के बाद नोखा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने टॉयलेट तथा उसके आसपास के क्षेत्र की जानकारी जुटाई। साथ ही अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू की गई, ताकि यह पता लगाया जा सके कि

भ्रूण को टॉयलेट तक कौन लेकर आया था। पुलिस द्वारा अस्पताल में पिछले 24 घंटे के दौरान भर्ती हुई प्रसूताओं और गर्भवती महिलाओं से संबंधित रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है।

पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि भ्रूण अस्पताल में किसी मरीज से संबंधित है अथवा उसे बाहर से लाकर यहां छोड़ा गया।

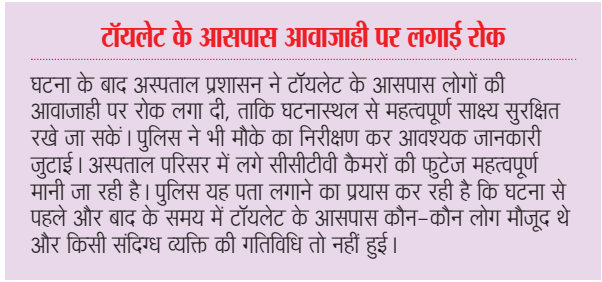
अवैध गर्भपात की आशंका, लेकिन जांच के बाद ही स्थिति होगी स्पष्ट प्रारंभिक तौर पर यह आशंका जताई जा रही है कि किसी महिला द्वारा गर्भपात के बाद भ्रूण को टॉयलेट में फेंका गया हो सकता है। हालांकि इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया

है कि भ्रूण अस्पताल में भर्ती किसी महिला का है या बाहर से यहां लाया गया।

पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। भ्रूण की चिकित्सकीय जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की स्थिति स्पष्ट होने की संभावना है।

### अस्पताल प्रशासन ने दिए आंतरिक जांच के निर्देश

घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए आंतरिक स्तर पर जांच के निर्देश दिए हैं। अस्पताल में हाल के समय में भर्ती हुई प्रसूताओं एवं गर्भवती महिलाओं से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। पुलिस और अस्पताल प्रशासन के



टॉयलेट के आसपास आवाजाही पर लगाई रोक

घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने टॉयलेट के आसपास लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी, ताकि घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य सुरक्षित रखे जा सकें। पुलिस ने भी मौके का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई। अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना से पहले और बाद के समय में टॉयलेट के आसपास कौन-कौन लोग मौजूद थे और किसी संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि तो नहीं हुई।

स्तर पर जुटाई जा रही जानकारी के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि भ्रूण अस्पताल परिसर में कैसे पहुंचा। इस घटना ने अस्पताल की सुरक्षा, निगरानी और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर इस प्रकार भ्रूण का मिलना गंभीर मामला है और इसकी

निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार व्यक्ति तक पहुंचना आवश्यक है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज, अस्पताल के रिकॉर्ड और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक वजह और भ्रूण को टॉयलेट में छोड़े वाले व्यक्ति के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

## मशहूर समाजसेवी माणकचंद सर्राफ का निधन

अमित प्रजापत



**सुजानगढ़ ( नवयत्न )।** शहर के प्रबुद्ध समाजसेवी माणकचंद सर्राफ का निधन हो गया है। मानव सेवा संस्थान के समन्वयक के रूप में कार्य कर रहे माणकचंद सर्राफ सुजानगढ़ में अनेक सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते हैं। कई संस्थाओं में उनकी दानदाताओं को लाने में महती भूमिका रही है। भामाशाहों में माणकचंद सर्राफ विश्वासी व्यक्ति के तौर पर जाने जाते थे। श्मसान घाट के संस्थान में जरूरतमंद बच्चों की सेवा के कारण वे काफी चर्चा में आए। उनका निधन हृदय गति रुक जाने के कारण हुआ है। इसी प्रकार धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों में भी उनकी भूमिका हमेशा रही। रविवार को उनकी अंतिम यात्रा निकाली जाएगी।

### समय पर काम नहीं किया, तो घेराव करेंगे

अमित प्रजापत

**सुजानगढ़ ( नवयत्न )।** भाजपा नेता और वार्ड नं. 22 के पार्षद नरेंद्र गुर्जर ने कहा है कि नगरपरिषद के सफाई अधिकारी सफाई कार्य को लेकर ज़ांसे देना बंद करें। उन्होंने कहा है कि वार्ड की जनता ने काम के लिए पार्षदों को चुना है। लेकिन नगरपरिषद के सफाई अधिकारी पुराने ढरे पर ही चल रहे हैं। लेकिन अब

नगरपरिषद में भाजपा का सभापति बैठा है, ये अधिकारियों को समझना होगा।

उन्होंने कहा है कि अगर समय पर काम नहीं होगा, तो सोमवार सुबह 11:30 बजे मेरे वार्ड वासियों के साथ नगर परिषद के अधिकारियों का घेराव किया जाएगा। गुर्जर ने कहा है कि सामने दीवाली का त्योहार है और इस त्योहार पर विशेष साफ सफाई की व्यवस्था होनी चाहिए।

### मैच खेलने के लिए दिया प्रार्थना पत्र

अमित प्रजापत

**सुजानगढ़ ( नवयत्न )।** बीकानेर की छात्रा वंशिका सिंह मेड़िया ने पीसीबी स्कूल में चल रही 70वीं राज्य स्तरीय स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में मैच खेलने देने की अनुमति की मांग का पत्र प्रभारी अधिकारी को दिया है। पत्र में बताया गया है कि मैं वंशिका सिंह मेड़ितिया, कक्षा 9वीं की छात्रा, सोनिया स्कूल, बीकानेर की कि कैट खिलाड़ी हूँ। मेरा चयन स्कूल चयन प्रक्रिया के तहत बीकानेर टीम में हुआ है। इसके साथ ही मेरा चयन राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के आधिकारिक ट्रायल एवं तीन

दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, जयपुर में भी हुआ था। उसी अवधि में स्कूल टूर्नामेंट का विशेष कैप आयोजित हुआ, जिसमें मैं उपस्थित नहीं हो सकी। यह अनुपस्थिति मेरी लापरवाही नहीं, बल्कि आरसीए के आधिकारिक कार्यक्रम में भागीदारी के कारण थी। जबकि कोटा टीम की कप्तान, जो मेरे साथ आरसीए में थी, उसको भी मैच में खेलने की अनुमति दी गई है। मैं भी उसी शिविर में उसी अवधि में उपस्थित थी। अतः समान परिस्थिति में मुझे भी समान अवसर देते हुए मैच खेलने की अनुमति दी जावे।

## दहेज प्रताड़ना और स्त्रीधन हड़पने के मामले में पति को 2 साल की जेल 20 हजार का जुर्माना

निख

**श्रीमाधोपुर ( नवयत्न )।** न्यायालय अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-2 श्रीमाधोपुर ने दहेज प्रताड़ना और स्त्रीधन हड़पने के एक मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी पति पवन सिंह तंवर को 2 साल के साधारण कारावास और कुल 20 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन अधिकारी दीपक भातरा ने बताया कि परिवारदिया सावित्री कंवर ने न्यायालय श्रीमाधोपुर में दिनांक 24-03-2022 को एक परिवार पत्र पेश कर बताया कि उसका विवाह 16 फरवरी 2010 को पवन सिंह तंवर पुत्र स्व. मूल सिंह निवासी तेहलीहाटा डांडा तन सुंदरपुरा पुलिस थाना प्रागपुरा के साथ हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद से ही आरोपी पति ने 50 हजार रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल की मांग को लेकर पत्नी को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। दहेज की यह मांग पूरी न होने पर नवंबर 2019

## नीलगाय शिकार गिरोह का पर्दाफाश, 25 हजार रुपए में होटलों व ढाबों पर बेचते थे मांस

निख

**श्रीमाधोपुर ( नवयत्न )।** वन विभाग की टीम ने नीलगाय के शिकार के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए एक शिकारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी रात में नीलगाय को गोली मारकर शिकार करता था और उसके मांस को जयपुर की होटलों व ढाबों पर 25-25 हजार रुपए में बेच देता था। उप वन संरक्षक सीकर प्रदीप कुमार के निर्देशन व सहायक वन संरक्षक मुख्यालय कीर्ति राठौड़ के समन्वय में क्षेत्रीय वन अधिकारी श्रीमाधोपुर जितेन्द्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था। टीम ने कार्रवाई करते हुए 29 सितंबर को दो नर नीलगाय के अवशेष बरामद किए और आरोपी रामदेव मोग्या पुत्र अर्जुनलाल मोग्या, निवासी



कछुआ व छुरी बरामद, 14 अक्टूबर तक भेजा जेल

सहायक वन संरक्षक वन्यजीव सीकर देवेन्द्र सिंह राठौड़ के समक्ष पेश किए जाने के बाद आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। 30 सितंबर को न्यायालय एसीजेएम-2 श्रीमाधोपुर से आरोपी को 48 घंटे के रिमांड पर लिया गया, जिसके दौरान उसके कब्जे से शिकार में प्रयुक्त छुरी और एक जीवित कछुआ बरामद

किया गया। रिमांड अवधि पूरी होने पर 2 अक्टूबर को न्यायिक मजिस्ट्रेट कम-01 सीकर के आदेशानुसार आरोपी को 14 अक्टूबर 2026 तक जेल भेज दिया गया है। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 39/51 के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें 3 साल तक की सजा का गैर-

जमानती प्रावधान है। वन विभाग की टीम अब शिकार में शामिल अन्य सह-अभियुक्तों, शिकार में इस्तेमाल वाहनों और मांस खरीदने वाले होटलों व ढाबों की तलाश में जुटी हुई है। इस कार्रवाई में जुगुराज मीणा, गोधराज काजला, अजयपाल गुजरान, मंगलदन्ध भादवा और किरण शामिल रहे।

#### ब्लॉक स्तरीय प्रबल कार्यक्रम प्रतियोगिता आयोजित

निख

**तारानगर ( नवयत्न )।** स्थानीय पीएम श्री इंद्रमणि शारदा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तारानगर में ब्लाक स्तरीय प्रबल कार्यक्रम अंतर्गत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें छात्रा वर्ग में निधि झाड़सर कांधलान ने एवं छात्र वर्ग में हितेश रा उ मा वि साहवा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिनको पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर ओंकार मल सारण, उर्मिला पूनिया, विनोद कुमार कसबां, दारा सिंह कृष्ण मुरारी, निकिता राठोड़, अनिता गोदारा, रक्षा सारस्वत, पूनम आर्य, नवीन कुमार, पवन कुमार स्वामी, प्रियंका कंवर, प्रमिला, रानी, सुनिता आदि उपस्थित रहे।

## दशहरा पर्व की तैयारिया जोरों परएक दर्जन कारीगर कर रहे पुतलों का निर्माण

श्रवण सारस्वत

**रिंगस ( नवयत्न )।** युवा विकास मंच के तत्वावधान में 20 अक्टूबर को दशहरे मैदान में पुतलों का दहन किया जायेगा। दहन के लिए ब्राह्मण धर्मशाला परशुराम भवन में पुतलों का निर्माण किया जा रहा है। पुतलों के निर्माण के लिए एक दर्जन कारीगर दिन रात निर्माण में जुटे हैं। युवा विकास मंच के अध्यक्ष आर्यन पारीक ने बताया कि इस बार दशहरा महोत्सव हाईटेक नजर आयेगा। पिछले दस दिनों से कारीगर पुतलों का निर्माण करने में जुटे हैं। कई मायनों में इस बार रावण दहन अद्भुत नजर आयेगा। पुतला निदेशक मनोज जांगिड़ ने बताया कि रावण का



पुतला 70 फीट का तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही कुंभकरण व मेघनथा के पुतलों का भी निर्माण जोर शोर से चल रहा है। दोनों की लम्बाई 50-50 फीट की होगी। लंका का भी निर्माण किया जा रहा है। दशहरे में अ्त नजारे पेश किये जायेंगे। इसकी भी तैयारिया की जा रही है। रावण के पुतले आकर्षक

रूप दिया जायेगा। इसके लिए सभी संसाधन जुटा लिये गये हैं। इस दौरान महावीर जोशी, गोविन्द शर्मा, रमेश कुमावत, सौम्य शर्मा, प्रेम तिवारी, विशाल शर्मा, मुकेश बागड़ा, आशीष सरोज, विशाल सितमका, हर्षित शर्मा, बलराम कुलदीप सहित अनेक लोग मौजूद थे।

## खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने किया मिड-डे मील का निरीक्षण

अमित प्रजापत

**सुजानगढ़ ( नवयत्न )।** स्थानीय राजकीय गणेशीराम झंवर बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रतन सिंह गोदारा ने मिड-डे मील भोजनालय का निरीक्षण किया। उन्होंने भोजनालय में साफ-सफाई एवं भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया तथा व्यवस्थाओं को सराहना की। इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी रतन सिंह गोदारा ने लगभग एक घंटे तक विद्यार्थियों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, सुरक्षित भोजन के महत्व तथा पैक्ड फूड के अत्यधिक सेवन से होने वाले संभावित नुकसान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को खाद्य पदार्थ खरीदते समय लेबल, निर्माण एवं समाप्ति तिथि तथा अन्य आवश्यक



जानकारी देखने के लिए भी जागरूक किया।

उनके साथ आए फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर अशोक कुमार घोटिया ने बाजार में उपलब्ध विभिन्न पेय पदार्थों की गुणवत्ता को परखने तथा उनकी गुणवत्ता के संबंध में आवश्यक सावधानियों की

जानकारी विद्यार्थियों को दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ द्वारा खाद्य सुरक्षा से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे गए, जिनका अधिकारियों ने सरल एवं रोचक ढंग से उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग के

चार अधिकारी तथा विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूक रहने तथा अपने परिवार एवं समाज में भी खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया।

## निःशुल्क मोतियाबिंद जांच और लेंस प्रत्यारोपण शिविर 7 को

निख

**श्रीमाधोपुर ( नवयत्न )।** जिला अंधता निवारण समिति जयपुर के आर्थिक सहयोग व रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज तथा रामप्रताप एवं अंजना देवी कयाल हेल्थ ट्रस्ट के देखरेख, निर्माण एवं समाप्ति हॉस्पिटल, जयपुर द्वारा बुधवार 7 अक्टूबर को श्रीमाधोपुर के चौधरी

नाथूराम भामु रोटरी भवन में 85 वां निःशुल्क मोतियाबिंद जांच और लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

क्लब के गिरिराज कयाल ने बताया कि 7 अक्टूबर को सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होने वाले इस शिविर में मरीजों के आंखों की जांच की जायेगी तथा इनमें से चयनित मरीजों को

मोतियाबिंद ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण के लिए शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर बस से रैफर किया जाएगा।

जहां चयनित मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। साथ ही चयनित मरीजों के आने जाने की व्यवस्था से लेकर मरीजों के खानपान व रहने की व्यवस्था निःशुल्क की जाएगी। इससे पहले

आयोजित 84 शिविरों में 7770 पंजीकरण, जिनमें से 2632 मरीजों की आंखों के ऑपरेशन हो चुके हैं।

शिविर में आने वाले मरीजों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने आधार कार्ड की 2 फोटो कॉपी साथ लेकर आये। यह शिविर प्रत्येक माह के पहले बुधवार को आयोजित किया जाता है।



